सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 239, नई दिल्ली । शनिवार, 09 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यह मत मानिए कि जीत ही सब कुछ है, महत्वपूर्ण यह है कि आप किस उद्देश्य के लिए जीतना चाहते हैं...

03 दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का साइड इफेक्ट

06 भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा

08 लास्ट वर्किंग डे पर सीजेआई चंद्रचूड़ का भावुक विदाई संदेश

क्या दिल्ली परिवहन विभाग की कथनी और करणी समान और विश्वसनिय है!

संजय बाटला

दिल्ली परिवहन विभाग

1. महिला सुरक्षा के लिए गृह मंत्री सचिव द्वारा गठित कमेटी के सभी सुझावों को पूर्ण रूपेण पालन करवाने में तत्पर हैं।

2. महिलाओं की सुरक्षा के प्रति उषा मेहरा जस्टिस उच्च न्यायालय दिल्ली के द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशों को पालन करवाने के लिए तत्पर हैं।

परिवहन विभाग द्वारा महिला सुरक्षा के लिए निर्देशित सभी दिशा निर्देश पालन करवाने के बाद भी सार्वजनिक सवारी वाहनों में महिलाएं अपने आप को सुरक्षित नहीं पाती आखिर क्यों ? और कौन है इसके लिए जिम्मेदार।

महिलाओं द्वारा सार्वजनिक सवारी सेवा में सुरक्षा मांगने पर भी समय पर सुरक्षा कर्मी नहीं पहुंचते आखिर क्यों ? और कौन है जिम्मेदार।

क्या महिलाओं की सुरक्षा मुहैया करवाने के लिए सार्वजनिक सवारी वाहनों में लगे पैनिक बटन जो वाहन जांच शाखा और आनलाइन प्रोग्राम में कार्यशील नजर आते है। क्या वह सच में कार्यशील है ? या परिवहन विभाग द्वारा जनता, प्रशासन और न्यायिक प्रणाली की आंखों में धूल झोंकने के लिए ही सिर्फ़ परिवहन विभाग द्वारा कार्यशील दिखाया जा रहा है जब की पैनिक बटन कार्यशील है ही नहीं।

जिस प्रकार से दिल्ली में सार्वजनिक सवारी सेवा वाहनों में महिलाएं असुरक्षित महसूस करती हैं और मदद के लिए बसों में परिवहन विभाग के कथनासुर एवम्-उनके द्वारा चालित आनलाइन प्रोग्राम के अनुसार, परिवहन विभाग के वाहन जांच शाखा के अनुसार, परिवहन विभाग के पंजीकरण एवम् परमिट वितरक शाखाओं के अनुसार कार्यशील है तो **महिलाओं द्वारा मदद के लिए प्रयोग करने पर उन्हे समयानुसार मदद क्यों नहीं पहुंचती/ क्यों नहीं मिलती ?**

तो जानिए वह सच जो परिवहन विभाग ने अभी तक सब से छुपा रखा है और वह है की **अभी तक परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए पिछले कई वर्षों से वाहनों में लगवा रहे जीपीएस जीपीआरएस वीएलटीडी संयंत्र के साथ कार्यरत पैनिक बटन का डाटा सेंटर ही शुरू नहीं किया है तो पैनिक बटन का प्रयोग कर मदद मांगने वाली महिलाओं को मदद कैसे मुहैया हो सकती हैं ?।**

अब आप ही बताए / सोचिए की सार्वजनिक सवारी वाहनों में महिलाओं को सुरक्षा के लिए मदद मांगने के बाद भी मदद नहीं मिलने के लिए कौन है मुख्य रूप में जिम्मेदार ?

दिल्ली में सार्वजनिक सवारी वाहनों में महिलाओं को सुरक्षा प्राप्त नहीं होने और असुरक्षा के डर का भय बनाए रखने वालो को क्या कोई सजा देगा या ऐसे ही दिल्ली में सार्वजनिक सेवा के लिए उपलब्ध वाहनों में महिलाएं असुरक्षित महसूस करती रहे और इसी प्रकार के हादसे घटते रहे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को लेकर सामने आई अच्छी खबर, अब जाम से मिलेगी राहत

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का मीठापुर से कैली इंटरचेंज तक हिस्सा तैयार हो चुका है। दूरी की बात करें तो यह 24 किलोमीटर तक है। इसके शुरू होने से दिल्ली नोएडा ग्रेटर नोएडा गाजियाबाद से फरीदाबाद पलवल आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल गई है।

फरीदाबाद। दिल्ली के मीठापुर से लेकर फरीदाबाद के सेक्टर-65 तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के 24 किलोमीटर हिस्से को शुक्रवार शाम ट्रायल के रूप में शुरू कर दिया। कुछ दिन ट्रायल के दौरान देखा जाएगा कि कहीं एक्सप्रेस-वे पर कोई कमियां तो नहीं हैं। उन कमियों को तुरंत दूर किया जाएगा।

वैसे इस हिस्से को 12 नवंबर को विधिवत रूप से शुरू कराया जाएगा। इस हिस्से के खुलने के बाद दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद से फरीदाबाद, पलवल आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिल गई है। अब इस एक्सप्रेस-वे का प्रयोग मीठापुर से किया जा सकेगा।

सेक्टर-65 से आगे सोहना तक 26 किलोमीटर का भाग पहले ही शुरू किया जा चुका है। एक्सप्रेस-वे के 24 किलोमीटर इस हिस्से निर्माण कार्य की डेडलाइन सितंबर थी। अधिक वर्षा की वजह से समय पर काम पूरा नहीं हो सका। बता दें 12 फरवरी 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन किया था। डीएनडी फ्लाईओवर से कालिंदीकुंज तक के नौ किलोमीटर के भाग का काम मार्च 2025 तक पूरा करने का दावा है।

खोल दिए हैं सभी इंट्री व एग्जिट प्वाइंट

अभी तक एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने व उतरने के सभी इंटी व एग्जिट प्वाइंट को पत्थरों के बड़े अवरोधक से बंद किया हुआ था। इसलिए लोग इसका प्रयोग नहीं कर पा रहे थे। इसके दोनों ओर सर्विस रोड पर ही आवागमन जारी था। शुक्रवार को सुबह से लेकर शाम तक सभी प्वाइंट से पत्थर हटा दिए गए।

अब वाहन चालक बाईपास पर सेक्टर-30 ऐतमादपुर, सेक्टर-28, बसेलवा कॉलोनी, खेड़ीपुल, बीपीटीपी पुल के पास, सेक्टर-दो, सेक्टर-दो आईएमटी के पास प्रवेश निकास प्वाइंट का प्रयोग कर सकते हैं। इन सभी जगह अंडरपास बन गए हैं। कंस्ट्रक्शन कंपनी ने अंडरपास के आसपास ही प्रवेश व निकास प्वाइंट बनाए हैं।

ऐसे मिलेगी राहत

एक्सप्रेस-वे शुरू होने से इसकी सर्विस रोड व हाईवे पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। फिलहाल हाईवे पर वाहनों का काफी दबाव है। जो लोग दिल्ली से होकर कालिंदीकुंज से होकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद आते-जाते हैं, उनके लिए बड़ी राहत है। 15 मिनट में वाहन चालक फरीदाबाद से कालिंदीकुंज पहुंच सकेंगे।

इस एक्सप्रेस-वे के काम को पूरा होने का इंतजार कई जिलों के वाहन चालक बेसब्री से कर रहे थे। कनेक्टिविटी के हिसाब से यह एक्सप्रेस-वे कई लाख वाहन चालकों को राहत प्रदान करेगा। दिल्ली-आगरा हाईवे पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। दिल्ली व नोएडा आना-जाना सुगम होगा।

कृष्णपाल गुर्जर, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री।

स्मॉग से लिपटी राजधानी, जहरीली हुई दिल्ली की हवा; नोएडा में AQI पहुंचा 540 के पार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है। नोएडा सेक्टर-1 में AQI 690 के पार दर्ज किया गया। वहीं राजधानी दिल्ली के भी कई इलाकों में बेहद खराब हालात हैं। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। साथ ही आंखों में भी जलन होने से लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नईदिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की सांसें फूलने लगी हैं। आज यानी शुक्रवार सुबह पूरी राजधानी स्मॉग में लिपटी नजर आई। मौसम विभाग के मुताबिक, दृश्यता दिल्ली में पालम पर 1000 मीटर और सफदरजंग पर 800 मीटर दर्ज किया गया।

वहीं, एक्यूआई बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। इससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। साथ ही आंखों में जलन होने से लोग परेशान हैं। उधर, मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में जहरीली हवा चल रही है, जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। आइए इस लेख में हम आपको बताएंगे कि शुक्रवार सुबह कहां कितना AQI रहा।

बता दें कि नोएडा सेक्टर-1 में शुक्रवार सुबह एक्यूआई 696 दर्ज किया गया। हालांकि, अब वहां एक्यूआई 543 दर्ज किया गया है। उधर, दिल्ली के पंजाबी बाग में एक्यूआई 361 दर्ज किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में कहां कितना पहुंचा AQI

आनंद विहार 427
नोएडा सेक्टर-1 543
ITI शारदा दिल्ली 359
वजीरपुर340
ओखला दिल्ली 342
मेजर ध्यानचंद स्टेडियम दिल्ली 327

छठ पर फिर बढ़ा दिल्ली का वायु प्रदूषण

दिल्ली में बृहस्पतिवार को छठ पूजा के दौरान एक बार फिर से वायु गुणवत्ता में गिरावट देखने को मिली। एनसीआर के शहरों में एक्यूआइ के स्तर में इजाफा देखने को मिला। सुबह और रात के समय हल्के कोहरे एवं स्मॉग की परत भी देखी गई।

चिंताजनक स्थिति में कई इलाके

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार (सीपीसीबी) राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार का औसत एक्यूआइ 377 रहा। एक दिन पहले यह 352 रहा था। छठ पूजा के दौरान शाम को प्रदूषण स्तर में और वृद्धि देखी गई। शाम छह बजे यह एक्यूआई 382 तक पहुंच गया। चिंताजनक स्थिति यह कि शाम छह बजे दिल्ली के 16 इलाकों का एक्यूआई 400 से ऊपर यानी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। इनमें आनंद विहार, अशोक विहार, बवाना, मुंडका, जहांगीरपुरी, वजीरपुर, ओखला फेज दो, पंजाबी बाग, रोहिणी, सोनिया विहार और पटपड़गंज समेत कई अन्य इलाके भी शामिल हैं।

एनसीआर में भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। डिसिजन सपोर्टसिस्टम, आइआइटीएम पुणे के अनुसार बृहस्पतिवार को दिल्ली के प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन का सबसे अधिक योगदान था, जो लगभग 12 प्रतिशत था। परिवहन के अलावा दिल्ली के प्रदूषण में अन्य योगदान पराली का धुआं भी शामिल है।

बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान बढ़ा, दृश्यता रही कम ही

मौसमी उतार चढ़ाव के बीच बृहस्पतिवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। यह 18.0 डिग्री दर्ज किया गया, जोकि सामान्य से चार डिग्री अधिक है। एक दिन पूर्व बुधवार को यह 17.2 डिग्री सेल्सियस था। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 94 से 59 रहा।

वहीं, हल्के कोहरे और स्मॉग के कारण बृहस्पतिवार को भी दिल्ली में दृश्यता का स्तर प्रभावित रहा। सुबह साढ़े सात बजे आइजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता का न्यूनतम स्तर 800 मीटर और सफदरजंग पर 1000 मीटर रिकार्ड किया गया। शुक्रवार सुबह और रात भी हल्का कोहरा और स्मॉग होने का अनुमान है।

दिल्ली सरकार हाटस्पाट क्षेत्रों में धूल प्रदूषण से निपटने के साथ-साथ प्रमुख प्रदूषकों पर रियल टाइम डेटा इकट्ठा करने के लिए स्प्रे करने वाले तीन ड्रोन किराये पर लेने जा रही है। पर्यावरण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन ड्रोनों को पानी का छिड़काव करने व हवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए 13 चिह्नित हाटस्पाट पर तैनात किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि इससे धूल कणों को व्यवस्थित करने, पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता को कम करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व पर्यावरण पर प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी। पर्यावरण विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि "हाटस्पाट इलाकों में 15 दिनों के परीक्षण के रूप में तीन ड्रोनों को संचालित करने के लिए एक वेंडर को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।" ड्रोन न्यूनतम 17 लीटर के टैंक होंगे और 15 मिनट के भीतर एक एकड़ को कवर करने में सक्षम होंगे।

बताया गया कि ये सटीक डेटा संग्रह और रिपोर्टिंग के लिए रियल टाइम मानिटरिंग सिस्टम और उच्च-रिजोल्यूशन कैमरों से भी जुड़े रहेंगे। ड्रोन पर लगाई गई वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली तापमान, आर्द्रता, दबाव, ओजोन, नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, पीएम 10 और पीएम 2.5 सहित अन्य मापदंडों को मापने में सक्षम होगी।

15 दिनों के लिए बनाई गई अध्ययन की योजना

बताया गया कि ड्रोन द्वारा एकत्रकिए गए रियल टाइम डेटा और इमेज को मूल्यांकन के लिए पर्यावरण विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की वायु प्रयोगशाला और ग्रीन वार रूम को आनलाइन प्रेषित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि हालांकि पायलट अध्ययन की योजना 15 दिनों के लिए बनाई गई है, लेकिन परीक्षण संतोषजनक होने पर अवधि और ड्रोन की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

ग्रेटर नोएडा में गहराया सीएनजी संकट, उद्योग और वाहन सेवा बुरी तरह प्रभावित

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा में पिछले चार दिनों से सीएनजी की आपूर्ति प्रभावित है। इससे औद्योगिक क्षेत्र बड़े वाहन और घरेलू चार पहिया वाहनों का संचालन प्रभावित हो रहा है। जिला प्रशासन ने आईजीएल प्रबंधन को पत्र लिखकर 24 घंटे आपूर्ति करने को कहा है लेकिन अभी तक आपूर्ति पटरी पर नहीं आ सकी है।जिससे यातायात चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रेटर नोएडा। परिवहन साधनों को बेहतर संचालन के लिए बेहद जरूरी सीएनजी ईंधन की आपूर्ति जिले में बीते चार दिनों से प्रभावित हो रही है। प्रशासन को भी आईजीएल प्रबंधन ने अधर में रखा और जानकारी नहीं दी तो हारकर डीएम मनीष कुमार वर्मा को आईजीएल प्रबंधन को गुरुवार को पत्रलिखना पड़ा।

हाल यह है कि प्रबंधन की तरफ से पत्र का अभी तक जहां जवाब नहीं दिया गया है। वहीं स्थिति यह है कि रात 10 बजे के बाद प्रबंधन सीएनजी की आपूर्ति पेट्रोलपंप को नहीं दे रहा।जिससे औद्योगिक क्षेत्र, बड़े वाहनों, घरेलू चार पहिया वाहनों के संचालन पर प्रभाव पड़ रहा है।

जनपद में बड़े व छोटे वाहनों को सीएनजी ईधन उपलब्ध हो इसके लिए अलग से 26 सीएनजी पंप व 44 ऐसे पेट्रोल पंप हैं जहां पर सीएनजी की उपलब्धता की गई है। बीते चार दिनों से जिले में नोएडा, ग्रेटर नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में सीएनजी की आपूर्ति बाधित हो रही है।

शहर के उद्योग विहार स्थित इंडियन आयल के अपने पेट्रोल पंप पर सीएनजी फिलिंग स्टेशन भी है जहां पर बताया गया कि रात 10 बजे के बाद सीएनजी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इसके पीछे आईजीएल प्रबंधन ने कोई जानकारी नहीं दी है। सीएनजी न मिलने से बड़े ट्रक व अन्य औद्योगिक वाहन सड़क पर ही खड़े किए जा रहे हैं।

इसके पीछे के कारणों को जिला प्रशासन के स्तर पर जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय ने डीएम मनीष कुमार वर्मा को जानकारी दी तो पता चला कि 20 प्रतिशत सीएनजी जिले को कम मिल रही है।

इसके पीछे तकनीकि या व्यवहारिक कारण क्या हैं इनकी जानकारी अभी तक नहीं मिली। डीएम ने जरूर सीएनजी की कमी की बात सामने आने व शिकायत का हवाला देते हुए आईजीएल प्रबंधन को गुरुवार को

पत्रलिखकर आपूर्ति 24 घंटे करने के लिए कहा है लेकिन इसके बाद भी आपूर्ति पटरी पर नहीं आ सकी है। रात में जहां आपूर्ति बाधित है तो दिन में पूरा प्रेशर नहीं मिल पा रहा है।

चार नोजल, छोटा कंप्रेशर में नहीं मिल रहा पूरा प्रेशर

उद्योग विहार स्थित इंडियन आयल के पेट्रोल व सीएनजी पंप पर जागरण ने पड़ताल की तो पता चला कि यहां पर सीएनजी के चार नोजल लगाए गए हैं लेकिन प्रेशर पूरा नहीं मिल रहा। मैनेजर ललित मिश्रा ने बताया कि कंप्रेशर काफी छोटा है जबकि नोजल की संख्या को देखते हुए आईजीएल को चाहिए कि बड़ा कंप्रेशर लगाए। यहां पर रात में बड़े वाहनों का दवाब काफी अधिक रहता है। चार दिनों से रात 10 बजे के बाद सीएनजी की आपूर्ति न मिलने से ट्रक सड़क पर ही खड़े हो जाते हैं।

क्या बोले इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव

सीएनजी की कमी व रात में 10 बजे के बाद आपूर्ति में बाधा आने की खबरों के बाद इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव विशारद गौतम ने कहा कि निश्चित तौर पर यह औद्योगिक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ रहा है। रात में बड़े वाहनों से ही माल का परिवहन होता है ऐसे में सीएनजी नहीं मिलने से आर्थिक तौर पर व्यापारियों को ही नुसान उठाना पड़ेगा। प्रशासन को चाहिए कि जल्द से जल्द इस दिशा में कार्रवाई की जाए।

सीएनजी की आपूर्ति कब से बाधित है इसकी कोई जानकारी हमारे पास नहीं है। मैं अवकाश पर बीते दिनों से था आज ही आया हूं। जानकारी करके अधिकारियों से इस विषय में बता सकूंगा। डीएम के पत्र की भी जानकारी मेरे संज्ञान में नहीं है और न ही किसी ने बताया है।

अमनदीप सिंह, वाइस प्रेसीडेंट, आईजीएल।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

ठंड के दिनों में गर्मी का एहसास कराएंगी 5 चाय, सेहत होगी दुरुस्त और स्वाद भी होगा जबरदस्त

सर्दियों में मौसम में लोग अक्सर ऐसी फूड्स डाइट में शामिल करते हैं तो शरीर को अंदर से गर्मी दें। इस मौसम में चाय पीने का अपना अलग मजा होता है। ऐसे में आप अपनी रूटीन में 5 ऐसी चाय शामिल कर सकते हैं जो न सिर्फ स्वाद में बेहतर होती है बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं।

नई दिल्ली। नवंबर का महीना आते ही ठंड ने दस्तक दे दी है। हल्की ठंड के साथ ही सर्दियों का महीना शुरू हो गया है। सर्दियों की सुबह का अपना अलग ही मजा होता है। इस दौरान सुबह-सुबह अगर एक गर्म कप चाय मिल जाए, तो बस दिन ही बन जाता है। सर्दियों में चाय पीने का मजा ही कुछ और होता है। इस मौसम में लोग अक्सर गर्म रहने के लिए कई उपाय अपनाते हैं। साथ ही इस दौरान अक्सर इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है, जिसकी वजह से कई तरह की बीमारियां और संक्रमण लोगों को अपना शिकार बना लेती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि इस मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए अपनी डाइट में कुछ जरूरी बदलाव किए जाए। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी चाय के बारे में, जिन्हें अपनी रूटीन का हिस्सा बनाकर आप सर्दियों में भी कर सकते हैं गर्मियों का अहसास-

मसाला चाय

मसाला चाय एक लोकप्रिय भारतीय पेय है, जिसे कुछ खास मसालों, दूध और काली चाय को मिलाकर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए आमतौर पर इलायची, दालचीनी, लौंग, अदरक और कभी-कभी काली मिर्च का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे न सिर्फ इसका स्वाद बढ़ता है, बल्कि सेहत को भी फायदा मिलता है। इसमें मौजूद अदरक पाचन में मदद करते हैं, जबकि दालचीनी आपको अंदर से गर्म रखने में मदद करती है।

लेमन पेपर टी

अगर आप सर्दियों के लिए एक परफेक्ट ड्रिंक तलाश रहे हैं, तो लेमन पेपर टी ट्राई कर सकते हैं। लेमन पेपर टी इस मौसम में काफी प्रभावी मानी जाती है और इसका स्वाद भी काफी लाजबाव होता है। इसमें मौजूद नींबू का खट्टापन और काली मिर्च का हल्का तीखापन है, न सिर्फ आपको तरोताजा करता है, बल्कि सर्दी या फ्लू के लक्षणों से राहत दिलाने में भी मदद करता है। नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है, जो इम्युनिटी बेहतर कर बीमारियों से बचाता है।

अदरक और पुदीने की चाय

सर्दियों में हेल्दी और गर्म रहने के लिए आप अदरक और पुदीने की चाय पी सकते हैं। इसमें मौजूद अदरक की गर्मी और पुदीने की ठंडी आपको ताजगी का अहसासा कराती है। अदरक अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है, जो सर्दियों में होने वाली सर्दी और गले की खराश से राहत दिलाने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद पुदीना पाचन में सुधार कर और शरीर पर कूलिंग इफेक्ट डालता है।

दालचीनी और इलायची की चाय

दालचीनी की गर्माहट और इलायची के स्वाद इसे सर्दियों के लिए एक परफेक्ट ड्रिंक बनाती है। दालचीनी में एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो किसी भी फ्लू या संक्रमण को दूर रखने में मदद कर सकते हैं और इलायची में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करने में मदद करते हैं।

कैमोमाइल सिनेमम टी

कैमोमाइल और दालचीनी की चाय कई वजहों से लोगों की पसंद होती है। कैमोमाइल और इसका कूलिंग इफेक्ट तनाव को दूर रखने में मदद करता है और आपको बेहतर नींद में भी मदद करता है। वहीं, इसमें दालचीनी मिलाने से बेहतर इम्युनिटी मिलती है और गर्म और स्ट्रेस-फ्री महसूस करते हैं।

सर्दी से पहले फटाफट इन तरीकों से दूर करें रजाई-कंबल की बदबू, आ जाएगी ताजगी

महीनों से बक्से में बंद गर्म कपड़ों को ठंड में निकालने पर अजीब सी बदबू आने लगती है। लोगों को उसे ओढ़ना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में कई लोग महंगे दामों में ड्राई क्लीन करवाते हैं। हालांकि कुछ घरेलू उपाय भी हैं जिन्हें अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। जिससे गर्म कपड़ों में ताजगी आ जाती है।

नई दिल्ली। नवंबर का महीना चल रहा है और ठंड ने दस्तक दे दी है। लोगों ने रजाई कंबल और ऊनी कपड़े भी निकालने शुरू कर दिए हैं। वहीं लंबे समय से अलमारियों और बक्सों में बंद रजाई और कंबलों से अजीब सी दुर्गंध आने लगी है जिससे लोगों को इसे ओढ़ने का मन भी नहीं करता है। इसके लिए लोग हजारों खर्च कर ड्राई क्लीन के लिए देते हैं। आज हम आपको रजाई, कंबल या ऊनी कपड़ों को सर्दी में इस्तेमाल करने से पहले स्मेल फ्री बनाने के लिए घरेलू टिप्स देने जा रहे हैं। इससे आपका खर्चा भी बचेगा और दुर्गंध भी आसानी से दूर हो जाएगी। आइए उन टिप्स के बारे में विस्तार से जानते हैं-

गर्म कपड़ों से ऐसे दूर करें दुर्गंध

धूप दिखाएं

गर्म कपड़ों की बदबू दूर करने के लिए सबसे आसान और कारगर उपाय है धूप दिखाना। इससे गर्म कपड़ों से आ रही सीलन की बदबू दूर होगी। ध्यान रहे कि जिब आप धूप में गर्म कपड़ों को डालें तो उन्हें तीन से चार बार उलट पलट दें ताकि गर्म कपड़ों का हर कोना धूप सेंक सके।

एरोमैटिक ऑयल्स

गर्म कपड़ों में धूप दिखाने के अलावा एक ये भी तरीका अपनाया जा सकता है। दरअसल गर्म कपड़ों में लौंग, लैवेंडर या पिपरमिंट एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। अब इसे अच्छी तरह से फैला कर हवादार जगह पर रख दें। इससे गर्म कपड़ों में भरी सीलन वाली बदबू भी दूर होगी और एक ताजगी भी आ जाएगी।

कपूर

अगर धूप नहीं निकल रही है और बदबू से कंबल ओढ़ना मुश्किल हो रहा है तो आप एक और काम काम कर सकती हैं। एक साफ कवर लें और उसे रजाई या कंबल पर चढ़ा दें। इसके बाद कुछ कपूर उसमें डाल दें। ऐसा करने से कुछ ही समय में बदबू दूर हो जाएगी।

बेकिंग सोडा

गर्म कपड़ों की बदबू को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा काफी कारगर साबित हो सकता है। दुर्गंध को दूर करने के लिए आप गर्म कपड़ों पर बेकिंग सोडा को छिड़क कर कुछ घंटों के लिए खुली जगहों पर छोड़ दें। इसके बाद वैक्यूम क्लीनर की मदद से इसे साफ कर लें। इससे गर्म कपड़ों की बदबू दूर हो जाएगी। आपको बता दें कि बेकिंग सोडा बदबू को अच्छे से सोख लेता है।

व्हाइट व निगर

सफेद सिरका भी बदबू को दूर करने में काफी कारगर साबित हो सकता है। आपको एक स्प्रे बॉटल लेना है और उसमें सिरका भर लेना है। अब आपको गर्म कपड़ों पर स्प्रे करना है और कुछ घंटों के लिए धूप में रख देना है। इससे भी रजाई कंबल की दबदू तुरंत दूर हो जाती है।

पश्चिम बंगाल में पत्नी को घुमा लाएं ये 3 रोमांटिक जगहें, खुश हो जाएंगी आपकी पार्टनर

अक्सर पत्नियां हर वीकेंड पर अपने पति के साथ घूमने जाने की जिद करती हैं। लेकिन अब आपकी पत्नी को आपसे कोई शिकायत नहीं होगी। क्योंकि आज हम आपको पश्चिम बंगाल की कुछ रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

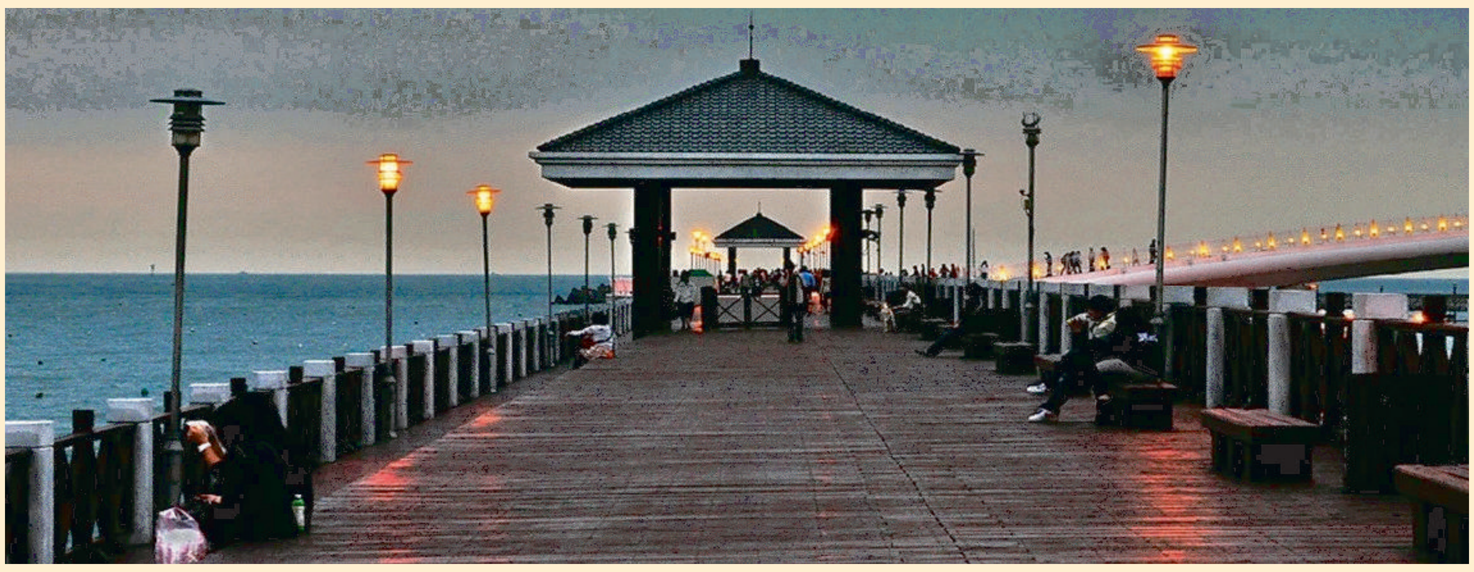

भारत का पश्चिम बंगाल बेहद खूबसूरत राज्य है। यहां पर घूमने के लिए कई फेमस जगहें हैं। जहां पर आप अपनी पत्नी के साथ अकेले क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। अक्सर पत्नियों को यह शिकायत रहती है कि उनके पति कहीं घुमाने नहीं ले जाती हैं। ऐसे में पत्नियां हर वीकेंड पर अपने पति के साथ घूमने जाने की जिद करती हैं। लेकिन अब आपकी पत्नी को आपसे कोई शिकायत नहीं होगी। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल की कुछ रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी पत्नी के साथ जा सकते हैं।

शंकरपुर

अगर आपके रिश्ते में सुकून और शांति की जरूरत है, तो आपको अपनी पत्नी के साथ शंकरपुर जाने का प्लान बनाना चाहिए। क्योंकि इससे अच्छा ऑप्शन नहीं होने वाला है। शंकरपुर में स्थित समुद्रतट आपके रिश्ते में और भी जान भर देंगे। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ सुकून के पल बिता सकते हैं। पत्नी के साथ आप यहां पर वीकेंड पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आपको भी यह जगह बहुत पसंद आएगी। पश्चिम बंगार अपनी अपार प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां के सुंदर और शांत समुद्र तटों की चर्चा पूरे भारत में होती है। यहां पर वीकेंड में समुद्र किनारे समय बिताना बहुत पसंद करते हैं। यह जगह शाम के समय घूमने के लिए अच्छी जगह है।

इसे भी पढ़ें: Travel Tips: भोपालवासी अब परिवार के साथ कर सकेंगे तीर्थ यात्रा, IRCTC ने निकाला खास टूर पैकेज

रवींद्र सरोवर, कोलकाता

इसके अलावा आप वीकेंड पर पत्नी के साथ घूमने के लिए रवींद्र सरोबर भी बेस्ट जगह है। यहां का ढाकुरिया झील देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। लेकिन अगर आप शहर में हैं, तो फिर आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। शहर की सड़कों के शोर-शराबों से दूर यह झील सुकून का एहसास करवाती हैं। यहां की हरियाली और शांति लोगों को बहुत पसंद आती हैं। ऐसे में आप यहां पर अपने परिवार के साथ आने का प्लान बना सकते हैं।

नलबन, कोलकाता

आप अपनी पत्नी के साथ कोलकाता का नलबन झील भी देखने जा सकते हैं। झील के किनारे की यह जगह हरियाली और मनमोहक नजारों से भरा है। आप यहां पर सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। नलबन को कपल्स के लिए रोमांटिक जगहों में से एक माना जाता है। आप यहां के खूबसूरत नजारों को देखने के साथ ही नाव की सवारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

एक रिसर्च से पता चला, रोजाना 5 मिनट सरल एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को मैनेज किया जा सकता है

हाल में एक शोध से पता चला है कि 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखा है। इन परिणामों से पता चला है कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ने से शरीर स्वस्थ रहता है।

आजकल के ज्यादातर लोगों में अनियमित ब्लड प्रेशर देखने को मिल रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ब्लड प्रेशर को सही ढंग से प्रबंधित करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। जो लोग रोजाना 30 से 60 मिनट तक व्यायाम करते हैं, हेल्थ बेहतर रहती है। लेकिन, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन द्वारा एक अध्ययन से पता चला है कि रोजाना केवल 5 मिनट के लिए एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को कम करने में बेहद फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं, इस शोध से पता चला है कि ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए तीव्र या कठिन व्यायाम की तुलना में नियमित, छोटे व्यायाम करना अधिक असरदार होता है।

क्या कहती है रिसर्च?

दरअसल, वेबएमडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शोध लंदन यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह था कि क्या 5 मिनट का व्यायाम किसी व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।

गौरतलब है कि, शोधकर्ताओं ने 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखें। इन परिणामों से पता चला कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ना जैसे व्यायाम के केवल 5 मिनट अतिरिक्त शामिल किए। जिससे रक्तचाप के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

इतना ही नहीं, इस अध्ययन में यह भी पता चला कि एक्सरसाइज चाहे किसी भी प्रकार की हो, यह ब्लड प्रेशर सकारात्मक प्रभाव मिलता है। छोटे व्यायाम उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जिन्हें हर दिन शारीरिक गतिविधि में शामिल होने में कठिनाई होती है।

रीयलमी 14 सीरीज की कीमत आई सामने, जानें भारत में कब होगी लॉन्च?

Realme 14 pro pचाइनीज स्मार्टफोन ब्रांड द्वारा Realme 14 को छोड़कर सीधा Realme 15 लाइनअप को पेश किया जा सकता है। हालांकि, पिछले कुछ लीक्स से ऐसा नहीं लगता है। एक नई रिपोर्ट Realme 14 Pro और Realme 14 Pro+ की लॉन्च टाइमलाइन और प्राइस रेंज का सुझाव देती है llus launch

Realme 14 सीरीज को लेकर अब लीक्स आने शुरू हो चुके हैं। शुरुआत में अटकलें लगाई जा रही थीं कि चाइनीज स्मार्टफोन ब्रांड द्वारा Realme 14 को छोड़कर सीधा Realme 15 लाइनअप को पेश किया जा सकता है। हालांकि, पिछले कुछ लीक्स से ऐसा नहीं लगता है। एक नई रिपोर्ट Realme 14 Pro और Realme 14 Pro+ की लॉन्च टाइमलाइन और प्राइस रेंज का सुझाव देती है। इनके Realme 13Pro+ और Realme 13 Pro के अपग्रेड के रूप में आने की उम्मीद है। Realme 14 सीरीज की कीमत कथित तौर पर मौजूदा 13 सीरीज के मॉडलों के समान हो सकती है।

स्मार्टप्रिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, Realme 14 Pro और Realme 14Pro+ भारत में अगले साल जनवरी में लॉन्च होंगे। शुरुआत में इन्हें फरवरी में लॉन्च किए जाने की योजना थी, लेकिन अब बताया जा रहा है कि ब्रांड ने लॉन्च को जनवरी तक के लिए टाल दिया है। बता दें कि, Realme 13 Pro और Realme 13 Pro+ को इस साल जुलाई में भारत में पेश किया गया था।

इसके अलावा इसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि Realme 14 Pro और Realme 14 Pro+ की कीमत उनके पिछले मॉडल्स, यानी की Realme 13 Pro और Realme 13 Pro+ के समान यानी 30 हजार रुपये के आसपास होगी। यह भी कहा गया है कि ये हैंडसेट मार्केट में Realme Note 14Pro सीरीज और Poco X7Pro को टक्कर देंगे।

सर्दियों में आपको हेल्दी बनाएगी गुड़ टमाटर की खट्टी-मीठी चटनी, बस इस आसान रेसिपी से करें झटपट तैयार

सर्दी के दिनों में लोग अक्सर अपने खानपान में बदलाव करते हैं जिससे ठंडी में उन्हें हेल्दी रहने में मदद मिल सके। ऐसे में गुड़ टमाटर की चटनी एक बढ़िया मौका है इस मौसम में स्वाद के साथ सेहत बरकरार रखने का। इसका खट्टा-मीठा स्वाद सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान रेसिपी।

सर्दियों का मौसम बस शुरू होने वाला है। हल्की ठंडक के साथ ही मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी है। बदलते मौसम के साथ ही अक्सर इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और इसकी वजह से लोग आसानी से बीमारियों का शिकार होने लगते हैं। ऐसे में इस मौसम में अपनी सेहत को ध्यान रखने के लिए सही खानपान भी बेहद जरूरी है। गुड़ टमाटर की चटनी सर्दियों के लिए काफी सेहतमंद मानी जाती है।

इसमें मौजूद गुड़ शरीर में अंदर से गर्मी देता है और बीमारियों से बचाता है। साथ ही इसका खट्टा-मीठा स्वाद आपके खाने के स्वाद को दोगुना कर देता है। आप इस स्वादिष्ट चटनी को घर पर भी बना सकते हैं, क्योंकि इसे बनाना बेहद आसान है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों के लिए गुड़ वाली टमाटर की चटनी (Jaggery and Tomato Chutney Recipe) बनाने की आसान रेसिपी-

चटनी बनाने के लिए सामग्री

4 मध्यम, बारीक कटे हुए टमाटर
3-4 बड़े चम्मच (स्वादानुसार) गुड़
1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल
1 छोटा चम्मच सरसों के बीज (राई)
एक चुटकी हींग
8-10 करी पत्ता
2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च
½ छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर (वैकल्पिक)
¼ छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
नमक स्वादानुसार
गार्निश के लिए हरा धनिया

चटनी बनाने की तरीका

सबसे पहले एक पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म करें। फिर इसमें राई डालें और उन्हें फूटने दें।

इसके बाज इसमें एक चुटकी हींग और करी पत्ता डालें।

अब बारीक कटे टमाटर डालें और बीच-बीच में मिलाते हुए नरम और गूदेदार होने तक पकाएं।

फिर हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

इसके बाद इसमें गुड़ डालें और तब तक मिलाएं जब तक कि यह पिघल न जाए और टमाटर के साथ मिक्स न हो जाए, जिससे एक गाढ़ी, चटनी जैसी कंसिस्टेंसी न बन जाए।

अब चटनी को धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकाएं जब तक कि तेल अलग न होने लगे और चटनी गाढ़ी न हो जाए।

इसके बाद चटनी को चखें और स्वाद के मुताबित गुड़ या नमक मिक्स करें।

आखिर में आंच बंद कर दें और ताजी कटी हरी धनिया से गार्निश करें।

गुड़ टमाटर की चटनी तैयार है। इसे पराठे, पुड़ी, थेपला या चावल के साथ सर्व करें।

'गले में खराश, आंखों में जलन...' दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का साइड इफेक्ट; लोगों ने बयां किया दर्द

राजधानी दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण अपने चरम पर है। दिल्ली का आनंद विहार इलाका सबसे प्रदूषित इलाकों में से एक है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को समग्र AQI सुबह 8.30 बजे 389 था जबकि आनंद विहार का AQI 419 था जो इसे सबसे खराब वायु प्रदूषण का केंद्र बनाता है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद विहार में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचने के साथ ही इलाके में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ समय में यहां पर लोगों में श्वसन और गले में संक्रमण और आंखों में जलन के मामलों में वृद्धि हुई है।

आनंद विहार बस स्टैंड पर एक ऑटो-रिक्शा चालक जावेद अली ने बिगड़ती वायु गुणवत्ता के साथ अपनी दिक्कतों को साझा किया। अली ने कहा, "मेरी आंखों में लगातार जलन होती है और अक्सर लाल हो जाती है, जिससे धुंधला दिखाई देता है। इससे सुरक्षित रूप से गाड़ी चलाना वाकई मुश्किल हो जाता है।"

उन्होंने कहा कि हालांकि वह मास्क पहनते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसे पहनना असुविधाजनक है और इससे उनकी ठीक से सांस लेने में दिक्कत आती है।

आनंद विहार का AQI शुक्रवार को 419 था

दिल्ली का आनंद विहार इलाका सबसे प्रदूषित इलाकों में से एक है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) लगातार 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को समग्र AQI सुबह 8.30 बजे 389 था, जबकि आनंद विहार का AQI 419 था, जो इसे सबसे खराब वायु प्रदूषण का केंद्र बनाता है।

कई दिनों से खांसी और आंखों में जलन हो रही: सुनीता

स्थानियों निवासियों पर इसका असर सिर्फ आंखों में जलन तक ही सीमित नहीं है। स्थानीय गृहिणी सुनीता कई दिनों से लगातार खांसी और आंखों में जलन से जूझ रही हैं। वह कहती हैं कि कई बार डॉक्टरों के पास जाने के बावजूद स्थायी राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा, "मैं कई बार डॉक्टरों से मिल चुकी हूं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।" दो बच्चों की मां सुप्रिया यादव अपने बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर विशेष रूप से चिंतित हैं।

दवाओं का भी नहीं हो रहा असर: सुप्रिया

उन्होंने कहा, "मेरा बच्चा पेट की समस्याओं से पीड़ित है जो कभी-कभी ठीक होती है लेकिन अक्सर बदतर हो जाती है। मैंने कई डॉक्टरों से परामर्श लिया है, लेकिन दवाओं से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।ह सुप्रिया ने क्षेत्र में पानी की गिरती गुणवत्ता का भी जिक्र किया, जिसके बारे में उनका मानना है कि इससे उनके परिवार में स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, "हम बोतलबंद पानी खरीदने में सक्षम नहीं हैं। यह सिर्फ हवा नहीं है, बल्कि पानी की गुणवत्ता भी एक बड़ा मुद्दा है।"

आनंद विहार में वाहनों क आवाजाही भी अधिक

इलाके में धुंध की घनी धुंध दिखाई दी, जिससे यहां पर दृश्यता का स्तर भी कम था। इस क्षेत्र में एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और एक रेलवे स्टेशन है, जिसके परिणामस्वरूप वाहनों की आवाजाही अधिक होती है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है।

हमारे लिए दिन में बैठना हो गया मुश्किल: हरेंद्र सिंह

आनंद विहार में आईएसबीटी बस स्टैंड पर काम करने वाले हरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदूषण उनके काम को प्रभावित कर रहा है क्योंकि वह प्रतिदिन 10 घंटे वहां रहते हैं। उन्होंने कहा, "बढ़ते प्रदूषण ने हमारे लिए यहां पूरे दिन बैठना मुश्किल कर दिया है। हवा में हमेशा धूल और गंदगी रहती है और इससे मेरी आंखें लाल हो जाती हैं और उनमें जलन होती है और मुझे खांसी भी हो जाती है।"

इलाके में देर शाम को बैठना भी मुश्किल: निर्मल सिंह

70 वर्षीय हृदय रोगी निर्मल सिंह ने प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण अपनी सांस लेने में कठिनाई को बदतर होते देखा है। सिंह ने कहा, "मैंने अपनी पूरी जिंदगी यहीं गुजारी है, लेकिन पिछले दशक से प्रदूषण बहुत खराब हो गया है। हवा मोटी है और यहां तक कि सुबह या देर शाम को भी ठीक से सांस लेना मुश्किल है।"

पानी की गुणवत्ता में भी आई गिरावट: निर्मल सिंह

उन्होंने यह भी बताया कि उनके घर में आपूर्ति किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता में 'तेजी से गिरावट' आई है, जिससे उन्हें और उनके परिवार को अतिरिक्त स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा, "हम बोतलबंद पानी खरीदने में सक्षम नहीं हैं। हमें जो पानी मिलता है वह गंदा होता है और इससे अधिक समस्याएं होती हैं। मेरा परिवार नियमित रूप से बीमार पड़ रहा है।"

दिल्लीवासी हो जाएं तैयार, पहली बार हो रहा दीपोत्सव का आयोजन; यमुना तट पर जलेंगे साढ़े तीन लाख से अधिक दीये

दिल्ली में पहली बार दीपोत्सव का आयोजन होगा जिसमें 350000 से अधिक दीये जलाए जाएंगे। यह आयोजन देव दीपावली गुरु पर्व और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पूर्व हो रहा है। कार्यक्रम में ड्रोन और लेजर शो भी आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजन विद्यार्थी और कलाकार भाग लेंगे। वासुदेव घाट पर स्थित बारादरी में भव्य राम दरबार का मंचन किया जाएगा।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 13 नवंबर की शाम राजधानी में पहली बार दिल्ली दीपोत्सव का आयोजन होगा। यह आयोजन देव दीपावली, गुरु पर्व और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पूर्व हो रहा है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा आयोजित इस समारोह में एलजी वीके सक्सेना शामिल होंगे और इस अवसर पर यमुना की आरती भी करेंगे।

यह कार्यक्रम कश्मीरी गेट आइएसबीटी के पास पुनर्विकसित वासुदेव घाट पर मनाया जाएगा। शुक्रवार को राजनिवास की ओर से इस आशय की जानकारी साझा की गई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि एक समाचार पत्र में 31 अक्टूबर के अंक में ही 'वाराणसी की तर्ज पर दिल्ली में भी दीपोत्सव' शीर्षक से यह खबर प्रकाशित कर दी थी।

साढ़े तीन लाख से अधिक दीये जलेंगे

राजनिवास के मुताबिक इस आयोजन में 3,50,000 से अधिक दीये जलाए जाएंगे, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजन, विद्यार्थी और कलाकार भाग लेंगे। कार्यक्रम में ड्रोन और लेजर शो भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही, वासुदेव घाट पर स्थित 'बारादरी' में भव्य राम दरबार का मंचन किया जाएगा।

घाट पर समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का होगा प्रदर्शित

एलजी द्वारा मार्च 2024 में उद्घाटित वासुदेव घाट, उनकी यमुना और नदी के बाढ़ क्षेत्र के पुनरुद्धार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य शहर के लोगों को नदी के समीप लाना और उन्हें नदी की सफाई में भागीदार बनाना है। दिल्ली दीपोत्सव आध्यात्मिकता-पर्यावरणीय स्थिरता के संगम को प्रदर्शित करेगा। वासुदेव घाट भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी प्रदर्शित करता है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लाई गई मूर्तियां और कलाकृतियां शामिल हैं।

ड्रोन शो से पुष्प वर्षा और माल्यार्पण भी होगा

लेजर शो से भगवान राम की झांकी दर्शाई जाएगी तो ड्रोन शो से पुष्प वर्षा और माल्यार्पण भी किया जाएगा। यह आयोजन शाम छह बजे के लगभग शुरू होगा और रात साढ़े सात-आठ बजे तक चलेगा। समापन पर बाकायदा प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था होगी। हालांकि सुरक्षा कारणों और भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर दीपोत्सव में जनभागिता निमंत्रण पत्र से होगी।

दीपोत्सव का यह आयोजन इसी बार नहीं, अब हर साल किया जाएगा। इस साल इसमें जन-सहभागिता सीमित संख्या में होगी, लेकिन अगले सालों में इसका दायरा भी और बढ़ाया जाएगा। भविष्य में लोगों को दीपोत्सव में शामिल होने के लिए बनारस अथवा अयोध्या नहीं जाना पड़ेगा। इसकी भव्यता व बेहतर आयोजन के लिए दीवाली के बाद एक बैठक भी की जाएगी।

- वीके सक्सेना, उपराज्यपाल, दिल्ली

प्रतिनिधिमंडल ने जामिया के कुलपति से मुलाकात कर के बधाई दी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: आज एक प्रतिनिधिमंडल ने शेख-उल-जामिया प्रोफेसर मजहर आसिफ से मुलाकात की और उन्हें गुलदस्ता देकर बधाई दी और खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर मजहर आसिफ कई गुणों के मालिक हैं और वह अपनी जिम्मेदारियों के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं और हमें पूरी उम्मीद है प्रोफेसर मजहर आसिफ के नेतृत्व में जामिया मिलिया इस्लामिया आगे के विकास के लिए लक्ष्य निर्धारित करेगा।

उन्होंने कहा कि कुलपति का प्रोफेसर के पद पर 10 वर्षों से अधिक का अनुभव होने के अलावा उनके पास लंबा प्रशासनिक अनुभव है और वह कई भाषाओं के विशेषज्ञ भी हैं. उन्होंने यह भी कहा कि जामिया मिलिया इस्लामिया अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। हमें उम्मीद है कि कुलपति विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। शेख-उल-जामिया में जो गुण और क्षमताएं फैसर मज़हर आसिफ में मौजूद हैं, उनका लाभ जामिया के छात्रों को मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि जामिया मिलिया इस्लामिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रहा है, जो जामिया समुदाय और देश के लिए खुशी की बात है और प्रोफेसर मजहर आसिफ के नेतृत्व में जामिया आगे विकास के लिए लक्ष्य निर्धारित करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में इतिक़ाद अहमद, मुहम्मद जावेद, मुहम्मद मुसर्रत, अंजाम थानवी, फरीदा खातून, मुहम्मद सगीर, फैज इमाम फैजी और तौक़ीर आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

आपत्तिजनक टिप्पणी कर मुश्किल में फंसे शिरोमणि नेता सरना, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी; हाई कमान को भी गई शिकायत

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले दिनों हरविंदर सिंह सरना पर श्री अकाल तख्त के जत्थेदार को लेकर अमर्यादित टिप्पणी का आरोप लगाते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कार्रवाई की मांग की थी। अब उन्होंने परमजीत सिंह सरना पर डीएसजीएमसी अध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों को लेकर असंसदीय भाषा का आरोप लगाया है।

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल बादल (शिअद बादल) के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना और उनके भाई हरविंदर सिंह सरना अपने बयान को लेकर मुश्किल में पड़ गए हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार रघबीर सिंह से शिकायत करने के साथ ही कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। शिअद बादल के नेता भी पार्टी हाई कमान से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पिछले दिनों हरविंदर सिंह सरना पर श्री अकाल तख्त के जत्थेदार को लेकर अमर्यादित टिप्पणी का आरोप लगाते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कार्रवाई की मांग की थी। अब उन्होंने परमजीत सिंह सरना पर डीएसजीएमसी अध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों को लेकर असंसदीय भाषा का आरोप लगाया है।

अकाल तख्त के जत्थेदार से हरविंदर सिंह सरना की शिकायत

प्रेसवार्ता में कालका ने कहा, "सरना भाइयों ने वीडियो जारी कर और टीवी चैनलों पर बहस के दौरान असंसदीय भाषा का उपयोग किया है। दोनों भाई डीएसजीएमसी के अध्यक्ष रह चुके हैं, इसके बाद भी वह मर्यादा भूल रहे हैं। उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अकाल तख्त के जत्थेदार से हरविंदर सिंह सरना की शिकायत की गई है। परमजीत सिंह सरना की भी शिकायत की जाएगी।"

रणजीत कौर ने भी सरना की भाषा पर नाराजगी जताई

डीएसजीएमसी सदस्य और शिअद बादल की नेता डीएसजीएमसी रणजीत कौर ने भी सरना की भाषा पर नाराजगी जताई है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से इसका संज्ञान लेने की अपील की है। कहा, वह शिअद बादल के साथ हैं, लेकिन सभी के लिए मर्यादा जरूरी है। सभी को सभ्य तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए।

भारत मंडपम में इसी महीने से शुरू होगा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 55 मेट्रो स्टेशन के अलावा यहां से लें टिकट

14 से 27 नवंबर तक भारत मंडपम में आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला जिसे आईआईटीएफ भी कहते हैं। इस मेले में आने वाले लोगों को टिकट कहां से मिलेगी या आप ऑनलाइन ऐप से कैसे टिकट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा एक दिन में एक व्यक्ति कितनी टिकट बुक कर सकता है। ये सभी जानकारी इस खबर के माध्यम से मिलेगी।

नई दिल्ली। भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) का टिकट खरीदने में अब परेशनी नहीं होगी। भारत मंडपम के साथ ही दिल्ली मेट्रो के मोबाइल ऐप पर क्यूआर कोड आधारित टिकट खरीदने की सुविधा होगी।

इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) ने समझौता किया है। आइटीपीओ के महाप्रबंधक (आईटी) राकेश चंद्र शर्मा और डीएमआरसी के महाप्रबंधक (टेली) सुधीर मित्तल समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

आईटीपीओ की वेबसाइट से भी कर पाएंगे टिकट की बुकिंग

लोग 11 नवंबर से दिल्ली मेट्रो ऐप (Delhi Metro App) डीएमआरसी (DMRC) दिल्ली सारथी/डीएमआरसी मोमेंटम 2.0 और भारत मंडपम ऐप (Bharat Mandapam App) के साथ आईटीपीओ की वेबसाइट से टिकट की बुकिंग हो सकेगी। ऐप के माध्यम से कोई व्यक्ति एक दिन में अधिकतम10 टिकट बुक कर सकता है। 55 मेट्रो स्टेशनों पर भी टिकट खरीदने की सुविधा उपलब्ध होगी।

यहां मिलेगी टिकट

दिल्ली मेट्रो ऐप
डीएमआरसी
डीएमआरसी मोमेंटम 2.0
भारत मंडपम ऐप
आईटीपीओ की वेबसाइट

इसकी भी होगी सुविधा

टिकट के साथ ही ऐप से भारत मंडपम परिसर के भीतर परिवहन के लिए 8-सीटर गोल्फ कार्ट (चालक के साथ) बुक करने का विकल्प भी होगा। गोल्फ कार्ट सेवा पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर दो बजे तक और अपराह्न तीन से शाम सात बजे तक उपलब्ध होगी।

डीएमआरसी के प्रबंधक ने कही ये बात

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा. विकास कुमार ने कहा, "इस समझौता से आईआईटीएफ के टिकट खरीदने में आसानी होगी। डिजिटल टिकट की सुविधा से काउंटर पर भीड़ कम होने के साथ ही प्रवेश प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी। इस अवसर पर डीएमआरसी के निदेशक (संचालन और सेवा) डा. अमित कुमार जैन और आईटीपीओ के कार्यकारी निदेशक प्रेमजीत लाल उपस्थित थे।

दिल्ली के कई इलाकों में इस समय हवा बेहद जहरीली

राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर इस दिनों प्रदूषण की मार झेल रहा है। बढ़ते प्रदूषण से लोगों की सांसें फूलने लगी हैं। शुक्रवार सुबह पूरी राजधानी स्मॉग की चादर में लिपटी नजर आई। मौसम विभाग की अगर बात करें तो दृश्यता दिल्ली में पालम पर 1000 मीटर और सफदरजंग पर 800 मीटर दर्ज किया गया।

वहीं, एक्यूआई बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंचा नजर आया। जिस कारण से लोगों को सांस संबंधित समस्याएं हो रही हैं। साथ ही आंखों में जलन होने से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों में इस समय हवा जहरीली है।

दिल्ली के पंजाबी बाग में एक्यूआई 361 दर्ज

जो सीधे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। बता दें कि नोएडा सेक्टर-1 में शुक्रवार सुबह एक्यूआई 696 दर्ज किया गया। हालांकि, अब वहां एक्यूआई 543 दर्ज किया गया है। उधर, दिल्ली (delhi pollution update) के पंजाबी बाग में एक्यूआई (Delhi AQI) 361 दर्ज किया गया है।

'मैं ही वह अपराधी हूं, जिसके कारण आज आप तकलीफ उठा रहे' , योगी की रैली में सांसद अतुल गर्ग ने क्यों बोला ऐसा ?

अतुल गर्ग ने कहा कि सांसद बनने के बाद जब मैंने विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दिया तो उपचुनाव में कोई टिकट लेने को तैयार नही था। हर कोई कह रहा था कि अतुल गर्ग तो पांच साल के लिए विधायक बने और हम दो साल के लिए बनेंगे ऐसे में जहर के प्याले की माला महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने अपने गले मे लटकाई है।

ग्रेटर नोएडा। गाजियाबाद। नेहरू नगर स्थित सरस्वी विद्या मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं का आना दोपहर एक बजे से ही शुरू हो गया था, ढ़ाई बजे तक कार्यक्रम स्थल की ज्यादातर कुर्सियां भर गई थी। मंच पर जनप्रतिनिधि और वक्ता एक-एक कर भाषण देकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा रहे थे, लेकिन उनको इंतजार योगी आदित्यनाथ के आगमन का था। वह शाम चार बजे तक नहीं पहुंचे। ऐसे में समय जिस तरह से आगे बढ़ रहा था, कार्यकर्ताओं की परेशानी और योगी के आगमन का इंतजार भी उसी तरह बढ़ रहा था।

ऐसे में शाम पांच बजे सांसद अतुल गर्ग ने माइक थामा और मजाकिया अंदाज में यह कहते हुए कार्यकर्ताओं की परेशानी को दूर करने का प्रयास किया कि मैं ही वह अपराधी हूं, जिसके कारण आप आज यह तकलीफ उठा रहे हैं। क्योंकि उनके सांसद बनने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा देने के बाद ही अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है।

इस्तीफा दिया तो उपचुनाव में कोई टिकट लेने को तैयार नहीं: गर्ग

उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद जब मैंने विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दिया तो उपचुनाव में कोई टिकट लेने को तैयार नही था, हर कोई कह रहा था कि अतुल गर्ग तो पांच साल के लिए विधायक बने और हम दो साल के लिए बनेंगे, ऐसे में जहर के प्याले की माला महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने अपने गले मे लटकाई है। ऐसे में उनको जीत दिलाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को मेहनत से कार्य करना है।

गाजियाबाद में सही मायने में विकास वर्ष 2017 के बाद हुआ: गर्ग

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में सही मायने में विकास वर्ष 2017 के बाद हुआ है। यहां पर सरकारी अस्पताल बने, एक्सप्रेसवे बना है। पहले भीमनगर, शांति नगर, लट्ठमार सहित कई कॉलोनियों में सीवर लाइन नहीं थी, अब सीवर लाइन है।

अस्पताल में अब एक्स-रे की रंगीन रिपोर्ट मिलती है। छह करोड़ के विकास कार्य स्वीकृत हो गए थे, जो उनके इस्तीफा देने के बाद रुके हैं। वह अगले छह माह में पूरे होंगे। इस दौरान ही कार्यक्रम स्थल पर योगी का आगमन हो गया और योगी जिंदाबाद के नारे लगने शुरू हुए, जिसे देखकर लगा कि सांसद के संबोधन और योगी को देखकर कार्यकर्ता अपनी परेशानी भुला चुके थे।

11 नवंबर से यूपी के 22 जिलों के लोगों की बढ़ेंगी मुश्किलें, जज से नाराज वकीलों ने बैठक में ले लिया बड़ा फैसला

गाजियाबाद में वकीलों की हड़ताल लगातार पांचवें दिन भी जारी है। शुक्रवार को वेस्ट यूपी के 22 जिलों के वकील जुटे और बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। सोमवार से रोजाना वकील हर जिले में दो घंटे के लिए सड़क जाम करेंगे। हाइकोर्ट बेंच केंद्रीय संघर्ष समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन के सभी अधिकार आंदोलन जारी रहने तक बार एसोसिएशन गाजियाबाद को दिए गए हैं।

गाजियाबाद। जिला जज कोर्ट में 29 अक्टूबर को वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों की हड़ताल लगातार पांचवे दिन भी जारी है। कचहरी में शुक्रवार को वेस्ट यूपी के 22 जिलों के वकील जुटे। बार एसोसिएशन कक्ष में कुछ देर में वकीलों की बैठक शुरू हुई। वहीं वकीलों का धरना भी शुरू है। दूसरे जिलों से आए बार अध्यक्ष और सचिव बैठक में भाग ले रहे हैं। बैठक में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

इस बैठक में वकीलों के आंदोलन को धार देने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए हैं। आज वेस्ट यूपी के 22 जिलों के वकीलों की हई बैठक में दो महत्वपूर्ण निर्णय हुए। इसमें तय किया गया है कि सोमवार से रोजाना वकील हर जिले में दो घंटे के लिए सड़क जाम करेंगे। दोपहर 12 बजे से दो बजे तक सड़क जाम करने का निर्णय लिया गया है।

तीन घंटे तक चली बैठक में 22 जिलों के वकील रहे मौजूद

वकीलों ने सर्वसम्मति से तय किया है कि हाइकोर्ट बेंच केंद्रीय संघर्ष समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन के सभी अधिकार आंदोलन जारी रहने तक बार एसोसिएशन गाजियाबाद को दिए गए हैं। अब गाजियाबाद से ही पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वकीलों के आंदोलन से जुड़े निर्णय लिए जाएंगे। तीन घंटे चली बैठक में गाजियाबाद समेत बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा, हापुड़, मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, अमरेहा, गौतमबुद्धनगर, मुरादाबाद समेत 22 जिलों के वकीलों भाग लिया।

'उपचुनाव की तारीख बदली तो जनता खुश, सिर्फ सपा हुई नाराज', गाजियाबाद रैली में बोले सीएम योगी

गाजियाबाद पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा पहले ये (उपचुनाव) चुनाव 13 नवंबर को था लेकिन फिर तारीखें टाल दी गईं क्योंकि सभी राजनीतिक दलों ने कार्तिक पूर्णिमा स्नान को ध्यान में रखते हुए 15 नवंबर के बाद तारीख तय करने का चुनाव आयोग से अनुरोध किया था। चुनाव आयोग ने आस्था का सम्मान किया और चुनाव की तारीख टाल दी।

गाजियाबाद। उपचुनाव में प्रचार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ₹पहले ये (उपचुनाव) चुनाव 13 नवंबर को था लेकिन फिर तारीखें टाल दी गईं क्योंकि सभी राजनीतिक दलों ने कार्तिक पूर्णिमा स्नान को ध्यान में रखते हुए 15 नवंबर के बाद तारीख तय करने का चुनाव आयोग से अनुरोध किया था। चुनाव आयोग ने आस्था का सम्मान किया और चुनाव की तारीख टाल दी।

उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसा होता है कि चांद न दिखे तो ईद की छुट्टी बदल दी जाती है और सरकार उस हिसाब से छुट्टी घोषित करती है, गुरु पर्व पर भी ऐसा ही होता है, लेकिन जब संवैधानिक संस्था द्वारा हिंदू आस्था के पर्व की महत्ता को ध्यान में रखते हुए तारीख बदली गई तो जनता खुश हुई लेकिन समाजवादी पार्टी ने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी लोगों की आस्था से खेलने वाली पार्टी है, बहन-बेटियों की सुरक्षा से खेलने वाली पार्टी है, व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वाली पार्टी है।'

सपा पर जमकर बरसे योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में विधानसभा के उपचुनाव के मद्देनजर आयोजित जनसभा में सपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा गरीबों, अन्नदाताओं, बहनों, बेटियों, व्यापारियों की दुश्मन है, उसको वोट देना तो दूर उसका नाम लेना भी महापाप है। उन्होंने अपनी सरकार के विकास के कार्य गिनाए और दूधेश्वर नाथ कारिडोर और एम्स का सैटेलाइट सेंटर बनाने की बात कहते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

अब घर के नजदीक कर सकेंगे पूजा-पाठ, यीडा धार्मिक स्थल और आश्रम के लिए ला रही बेहतरीन योजना

Yamuna Authority Plot Scheme यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टरों में रहने वाले लोगों को अब पूजा-पाठ करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यमुना अथॉरिटी शानदार योजना लेकर आ रही है। भूखंड पर धार्मिक स्थल के अलावा आश्रम का भी निर्माण किया जाएगा। बता दें इन सेक्टरों में स्कूल अस्पताल आदि मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने के लिए भूखंडों का आवंटन पहले ही हो चुका है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टरों में रहने वालों को घरों के नजदीक पूजा उपासना की सुविधा मिलेगी। प्राधिकरण धार्मिक स्थलों के लिए भूखंड योजना निकालने जा रहा है।

भूखंड पर धार्मिक स्थल के अलावा आश्रम भी विकसित होंगे। शहर में सांस्कृतिक गतिविधियों के बढ़ावा देने के लिए छह भूखंडों की योजना भी सोमवार को निकाली जाएगी।

यमुना प्राधिकरण ने किया आवासीय भूखंडों का आवंटन

यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर 16, 17, 17ए, 18, 20, 22 डी में आवासीय भूखंडों का आवंटन किया है। इन सेक्टरों में स्कूल, अस्पताल आदि मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने के लिए भूखंडों का आवंटन हो चुका है, लेकिन अभी तक धार्मिक स्थलों के लिए प्राधिकरण ने आवंटन नहीं किया था।

सेक्टर में रहने वालों की धार्मिक सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए प्राधिकरण भूखंड योजना निकालने जा रहा है। इन भूखंडों का आवंटन सब्सिडी दर पर होगा।

धार्मिक स्थल के लिए आठ भूखंडों का होगा बंटवारा

धार्मिक स्थल के लिए आठ भूखंडों का आवंटन होगा। इसमें सेक्टर 18 में दो भूखंड एक हजार वर्गमीटर व 1400 वर्गमीटर के हैं। सेक्टर 20 में दो भूखंडों में 1700 वर्गमीटर व एक हजार वर्गमीटर, 22ए में 1500 वर्गमीटर व 2000 वर्गमीटर, 22 डी में 1700 वर्गमीटर, 12 वर्गमीटर के हैं।

सांस्कृतिक केंद्र के लिए छह भूखंडों का आवंटन होगा। सेक्टर 17ए, 17, 18, 22ई में आठ-आठ हजार वर्गमीटर का एक-एक भूखंड, सेक्टर 22डी में 5750 वर्गमीटर का एक भूखंड शामिल है।

धार्मिक स्थल के साथ आश्रम की सुविधा का भी होगा विकास

यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि धार्मिक स्थल के साथ आश्रम की सुविधा भी विकसित होगी। पंजीकृत संस्थाओं को भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। सोमवार को दोनों श्रेणी के लिए भूखंड योजना निकाली जाएगी।

कलाकारों का ठिकाना होंगे सांस्कृतिक केंद्र

सांस्कृतिक केंद्र में ओपन एयर थियेटर, इंडोर थियेटर, सभागार, ऑडियो-वीडियो लाइब्रेरी, कला विथिकाएं, रिकॉर्डिंग स्टूडियो, उत्सव कक्ष, बैठक कक्ष, कैंटीन, विश्राम कक्ष आदि सुविधाएं होगी।

धार्मिक स्थल के लिए आवंटित भूखंड में विभिन्न धर्मों के अनुसार उपासना स्थल, आश्रम बनाए जाएंगे। इसमें ध्यान केंद्र, योग केंद्र आदि भी होंगे।

वहीं दूसरी तरफ मिंडा कॉरपोरेशन यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 644.16 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। प्राधिकरण ने कंपनी को औद्योगिक इकाई लगाने के लिए सेक्टर 24 में 22 एकड़ जमीन भी दे दी है।

प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बृहस्पतिवार को कंपनी के कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित जालान को आवंटन पत्र सौंप दिया और अब माना जा रहा है कि कंपनी दिसंबर से निर्माण कार्य भी शुरू कर देगी। इसके शुरू हो जाने के बाद दो हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

ट्रंप की जीत का आगाज़-इन देशों में मचा हड़कंप-नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना

- डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं,ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर बर्बर हिंसा लूट की सख़्ती निंदा की थी
- ट्रंप की जीत से दुनियाँ में, खासकर एशिया में भारत का दबदबा बढ़ेगा,स्थिति मज़बूत होगी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नज़रें 6 नवंबर पर लगी हुई थी कि 538 इलेक्टोरल सीटों में से ट्रंप या हैरिस किसकी जीत होगी क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उससे ही दुनियाँ की दशा और दिशा तय होगीहालांकि कांटे की टक्कर थी,परंतु ट्रंप को 50 राज्यों की 538 सीटों में से 295 व कमला हैरिस को 226 सीटें मिली जबकि बहुमत के लिए 270 सीटें है। हालांकि अमेरिका का राष्ट्रपति कौन होगा उससे करीब-करीब हर देश को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से फर्क पड़ता है,अमेरिका के आंतरिक मामलों, नीतियों में तो फर्क पड़ता ही है, परंतु विशेष रूप से पूरी दुनियाँ के देशों पर भी फर्क पड़ता है अब जबकि ट्रंप आ गए हैं, तो स्वाभाविक रूप से भारत पर बहुत ही सकारात्मक रूप से अच्छा प्रभाव पड़ेगा क्योंकि विशेष रूप से अमेरिका और भारत कीविचारधारा मिलती -जुलती है, जिसका सटीक उदाहरण ट्रंप ने दीपावली के समय अपने बयान में बांग्लादेश में हिंदुओं ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर हो रही बर्बर हिंसा लूट की सख्त निंदा की थी, व कहा था कि उसके शासन आने पर इसपर नियंत्रण होगा, जबकि हैरिस व बाइडेन ने इस मुद्दे पर चुपी सादी थी, कुछ बयांन नहीं आया था,जिसका इशारा दोनों की चुपी पर ट्रंप ने भीतंज कसा था।चूँकि ट्रंप जीत गए हैं, अब बांग्लादेश में हड़कंप मचा हुआ है वहीं केयरटेकर मोहम्मद यूनुस ट्रंप के विरोधी माने जाते हैं अब पड़ोसी मुल्क पाक और विस्तारवादी देश चीन पर भी लगामकसी जा सकती है,क्योंकि भारतीय पीएम अमेरिका राष्ट्रपति की दोस्ती हद्दे पार है, इसीलिए ही भारत के पढ़ोसी बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों की बर्बर हिंसा लूट की सख्त निंदा की थी इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप की जीत का आगाज़ इन देशों में मचा हड़कंप, नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की जीत से भारत के पढ़ोसियों में हड़कंप मचने की करें तो दरअसल, ट्रंप की जीत से हमारे पड़ोसी देश परेशान हैं,यानें जो हमें परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, उनकी हालत ट्रंप के आने से खराब होनी तय है। पहला पड़ोसी पाकिस्तान है, आतंक से उसकी पक्की दोस्ती हैं, वर्तमान राष्ट्रपति उसपर मेहरबान थे। अमेरिका सख्ती कम कर रहा था,लेकिन ट्रंप के साथ ऐसा नहीं है,क्योंकि साल 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति बने थे तो उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद पर खूब लताड़ा था,उसे अमेरिका से मिलने वाली सहायता भी रोक दी थी। पाकिस्तान की माली हालत किसी से छिपी नहीं है, तो उसके लिए जेब खाली में आटा गीला वाली हालत है।अब बात हमारे सबसे बड़े पड़ोसी चीन की एलएसी पर 5 साल तक वो हमें आंख दिखाता रहा। लेकिन जो बाइडेन के मुंह से एक बार भी उसके लिए कुछ नहीं निकला, जिस चीन ने सारे समझौते तोड़कर भारत से रिश्ते खराब किए, उसे लेकर जो बाइडेन चुप रहे। एक तरह से उसे मनमानी करने का मौका दिया। लेकिन ट्रंप के साथ ऐसा नहीं है, वो टैरिफ लगाकर चीन को आर्थिक चोट पहुंचाने की सौगंध खाकर राष्ट्रपति बने हैं।2016 में भी उन्होंने चीन के साथ ट्रेड वॉर छेड़ी थी। चीन के होश ठिकाने लगा दिए थे। हांलाकि अमेरिका को भी नुकसान हुआ लेकिन ट्रंप टस से मस नहीं हुए,और इस बार भी ऐसा होगा।अब अगर चीन ने

कुछ ऐसा वैसा किया तो ट्रंप भारत का खुलकर मजबूती के साथ साथ दे सकते हैं।हमारा तीसरा पड़ोसी बांग्लादेश है, जिसकी सेना शेख हसीना का तख्तापलट कर चुकी है,इसके पीछे अमेरिका बताया जा रहा है।अमेरिका के दम पर ही बांग्लादेश भारत को पिछले कुछ दिनों से आंख दिखा रहा था लेकिन ट्रंप बांग्लादेश के होश ठिकाने लगाएंगे। वो पहले ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा कर चुके हैं।

साथियों बात अगर हम बांग्लादेश में हिंदू ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर हो रहे बर्बर हिंसा लूट पर ट्रंप की सख्त टिप्पणी की करें तो,बता दें कि 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गईं थी। इससे उनका 15 साल का शासन खत्म हो गया था। उनकी सरकार के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन काफी बढ़ गया था। इसके बाद से देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को हिंसा का सामना करना पड़ा था। इतना ही नहीं उनके मंदिरों और दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई।दरअसल, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू डरे हुए हैं, और ये डर इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार में खुद को ताकतवर महसूस कर रहे मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं।डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों पर बर्बर हिंसा और लूट की सख्त निंदा की है,साथ ही कहा है कि कमला हैरिस और जो बाइडेन ने पूरी दुनियाँ और अमेरिका में हिंदुओं को नजर अंदाज किया है जो कि ट्रंप कभी नहीं करेंगे, वे अमेरिकन हिंदुओं समेत पूरे विश्व में हिंदुओं की रक्षा करेंगे।ट्रंप के इस बयान को लेकर इस्कॉन ने भी तारीफ की है और धन्यवाद दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा,मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे मित्र पीएम मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे। साथ ही, सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि रोशनी का यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत की ओर ले जाएगा।दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन पर अमेरिका और दुनियाभर के हिंदुओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया,उन्होंने पहली बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का जिक्र किया और भारतीय पीएम को अपना अच्छा मित्र बताया, ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, मैं हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जिन पर बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हमला किया गया और लूटपाट की जा रही है। बांग्लादेश में पूरी तरह से अराजकता की स्थिति है।

साथियों बात अगर हम बांग्लादेश के कार्यवाहक केयरटेकर क़े ट्रंप विरोधी होने की करें तो, डोनाल्ड ट्रंप को मोहम्मद यूनुस का विरोधी माना जाता है।वह घोषित तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक हैं। कई राष्ट्रपति चुनावों के दौरान उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए कैंपेन किया है और चुनावी चंदें भी दिए हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि उनकी इसी काम के पारितोषिक के रूप में ओबामा प्रशासन ने उन्हें अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिलवाने के लिए लॉबिंग की थी। इसके अलावा हाल में बांग्लादेश में हुए विद्रोह के दौरान भी अमेरिका ने ही मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया नियुक्त करवाया था। इसकी पुष्टि मोहम्मद यूनुस के अमेरिका दौरे पर भी हुई थी। खुद यूनुस ने स्वीकार किया था कि बांग्लादेश में हुआ विद्रोह पूरी तरह वहां पर प्लान किया गया था।जब 2016 में ट्रंप नए-नए अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे, तब एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन डीसी में उनसे मुलाकात करने पहुंचा था। इस डेलीगेशन में कुछ डेप्लोमेट, प्रमुख बांग्लादेशी नागरिक और कुछ सरकारी अधिकारी शामिल थे। जब प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप से मुलाकात की, तब उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा, जिससे सब लोग हैरान रह गए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ ऑफिशियल इंट्रोडक्शन से पहले ही यूनुस को लेकर पूछा कि वो ढाका का माइक्रो फाइनेंसर कहां है ?डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा था,मैंने सुना है कि उन्होंने मुझे इलेक्शन में हारते देखने के लिए डोनेशन दिया था। यूनुस उस दौरान ढाका में स्थित ग्रामीण बैंक के हेड हुआ करते थे। ये बांग्लादेश का माइक्रो-फाइनेंस स्पेशलाइज्ड कम्युनिटी डेवलपमेंट बैंक है। माइक्रो फाइनेंसिंग में अच्छा काम करने के लिए यूनुस को 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बांग्लादेशी डेलीगेशन में शामिल एक अधिकारी ने उस दौरान एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्रंप, यूनुस और उनकी संस्थाओं पर भड़के हुए थे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप की जीत का आगाज़- इन देशों में मचा हड़कंप-नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना ।डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर बर्बर हिंसा लूट की सख़्ती निंदा की थी।ट्रंप की जीत से दुनियाँ में, खासकर एशिया में भारत का दबदबा बढ़ेगा,स्थिति मजबूत होगी।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV Drive the Future

रायबरेली में अब छह रूटों पर ही दौड़ेंगे ई-रिक्शा

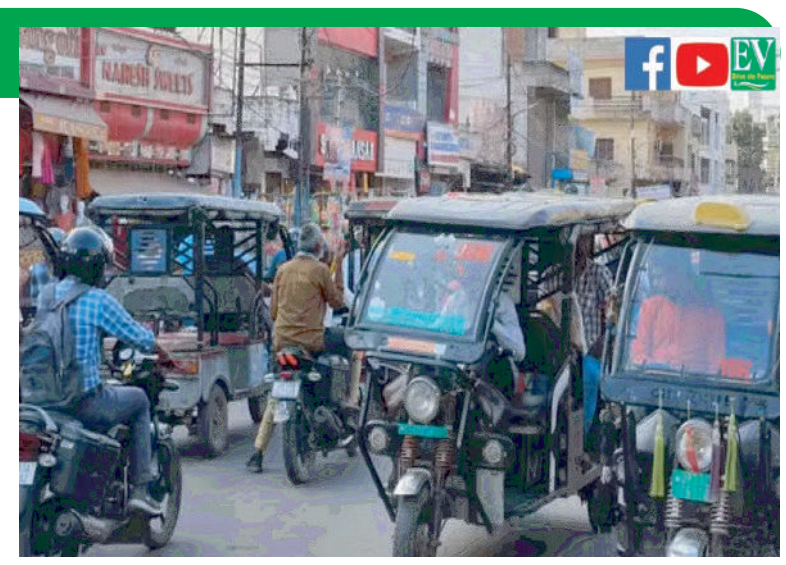

परिवहन विशेष न्यूज

शहरवासियों को जाम से राहत दिलवाने के साथ बढ़ते सड़क हादसे रोकने के लिए ई-रिक्शा के संचालन पर नकेल कसेगी। ई-रिक्शा संचालकों की मनमानी रोकने के लिए इनके संचालन के लिए छह रूट निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित रूटों के इतर अन्य किसी मार्ग पर ई-रिक्शा संचालित होता मिलने पर मौके पर ही संबंधित वाहन मालिक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी। शुक्रवार, 08 नवंबर से इसका अनुपालन पूरी सख्ती के साथ लागू कराया जाएगा।

जिले में विभिन्न रूटों पर सात हजार से अधिक ई-रिक्शा दौड़ते हैं। इनकी सर्वाधिक संख्या शहरी इलाके में है। शहर की सड़कों के साथ ही हाईवे व गलियों में बेतरतीब से दौड़ते ई-रिक्शा देखे जा सकते हैं। इस कारण शहर से जुड़े हर मार्ग पर आए दिन लोगों को जाम की परेशानी से भी जूझना पड़ता है। इसके साथ ही निर्धारित से अधिक संख्या में सवारी बैठाने के कारण ई-रिक्शा पलटने के कारण होने वाले सड़क हादसे भी परेशानी का सबब बनते हैं।

एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर बृहस्पतिवार को ई-रिक्शा संचालन के लिए छह रूटों का निर्धारण कर दिया गया है। अब इनका संचालन निर्धारित रूटों पर ही होगा। यातायात प्रभारी अजय सिंह तोमर ने बताया कि इसके साथ ही सड़क हादसों को रोकने के लिए संचालित यातायात माह में नियमित तौर पर जागरूकता अभियान चला कर वाहन चालकों को जागरूक भी बनाया जाएगा।

अब इन रूटों पर ही दौड़ सकेंगे ई-रिक्शा

- सिविल लाइंस से बस स्टाप, लालगंज तिराहा से राजघाट तक।
- राजघाट से लालगंज तिराहा, बस स्टाप, रेलवे स्टेशन से रतापुर चौराहा तक।
- त्रिपुला से जहानाबाद, बस स्टाप, लालगंज तिराहा तक।
- मामा चौराहा से बरगद चौराहा, कलेक्ट्रेट, डिग्री कॉलेज, इंदिरा नगर, पुलिस लाइंस चौराहा तक
- डिग्री कॉलेज से सुपर मार्केट, रेलवे स्टेशन, घंटाघर तक
- सारस चौराहा से घोसियाना, बेलीगंज, मधुबन मार्केट, रामकृपाल तिराहा, घंटाघर, जहानाबाद, रेलवे स्टेशन तक।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने तैयार की ईवी के लिए प्रति माह 10,000 यूनिट की क्षमता

परिवहन विशेष न्यूज

एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक और सीईओ (ऑटो और फार्म सेक्टर) राजेश जेजुरिकर ने गुरुवार, 07 नवंबर को कंपनी के वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के परिणाम के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा की आगामी 'बॉर्न इलेक्ट्रिक' एसयूवी- एक्सईवी 9ई और बीई 6ई- को मार्च 2025 तक प्रति माह 10,000 इकाइयों की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का समर्थन प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा, "नई क्षमता वृद्धि अब तब शुरू होगी जब हम अपनी इलेक्ट्रिक मूल एसयूवी शुरू करेंगे। मार्च तक 10,000 अतिरिक्त क्षमता तैयार हो जाएगी। थार रॉक्स को छोड़कर जहां हम कुछ हज़ार जोड़ेंगे, हमारे पास नई आईसीई क्षमता जोड़ने की कोई तत्काल योजना नहीं है।"

अपने कारखानों में उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण महिंद्रा ने अपने एसयूवी के लिए प्रतीक्षा अवधि में भारी कमी की है। वित्त वर्ष 2020 के अंत में 19,000 इकाइयों की मासिक क्षमता से, महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2023 तक उत्पादन को लगातार बढ़ाकर 39,000 इकाइयों (4,69,000 वार्षिक) और वित्त वर्ष 2024 तक 49,000 इकाइयों (5,88,000 वार्षिक) तक पहुँचाया। कंपनी अब वित्त वर्ष 2025 के लिए 64,000 इकाइयों प्रति माह (7,68,000 वार्षिक) की उत्पादन क्षमता का लक्ष्य बना रही है, जिसकी योजना वित्त वर्ष 2026 के अंत तक 72,000 इकाइयों मासिक (8,64,000 वार्षिक) तक पहुँचने की है।

जेजुरिकर ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य मध्यम से उच्च किशोर संख्या में वृद्धि करना है, जो उद्योग की वृद्धि से अधिक तेज़ है। उन्होंने कहा, "आने वाले महीनों में हम आईसीई क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता का आकलन करेंगे, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और नए बाजारों में हमारे निर्यात को बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।"

एमएंडएम ने पहले कहा था कि थार रॉक्स और थार 3-डोर के बीच कुछ हद तक अदला-बदली होगी, जो कुल मिलाकर लगभग 9.5 हजार यूनिट प्रति माह होगी। जेजुरिकर ने कहा, "हम उस अदला-बदली को बेहतर बनाने जा रहे हैं। जनवरी तक, हम 9.5 हजार की संख्या को कुछ हज़ार तक बढ़ा देंगे और फिर हम उससे आगे की ओर देखेंगे।"

प्रति कनेक्शन वार्ड को मिलेगा एक हजार रुपए

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश के 17 नगर निगमों के अब पार्षद सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए वार्ड के अभियान चलाएंगे। इस दौरान उनके माध्यम से अगर कोई कस्टमर कनेक्शन लेता है प्रति यूनिट के हिसाब से वार्ड को एक हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। लखनऊ शहर के सभी 110 वार्ड के पार्षदों को इसकी सूचना दे दी गई है। उनको संबंधित फर्म के साथ जोड़ भी दिया गया है।

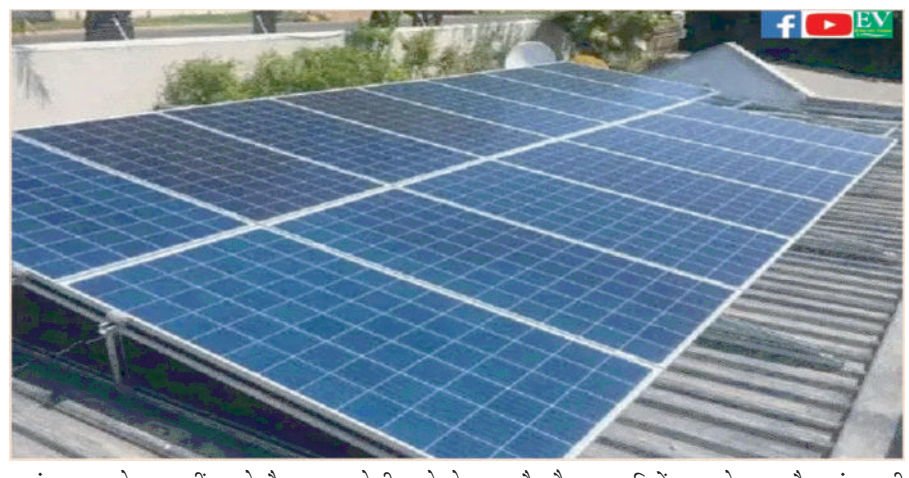

बीजेपी पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने बताया कि इसकी जानकारी हम लोगों को मिली है। यह सरकार और नगर विकास विभाग की अच्छी पहल है। इसमें प्रति कनेक्शन एक हजार रुपए मिलेंगे। इस पैसे से वार्ड में ही विकास का कोई काम कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए अगर कोई एक वार्ड में 100 कनेक्शन करवाता है तो संबंधित वार्ड को एक लाख रुपए का अनुदान मिल जाएगा। इतने कनेक्शन आराम से लगाए जा सकते है। लखनऊ में सभी वार्ड में कम से कम 5000 मकान है। इसमें से एक फीसदी लोग भी अपने यहां सौर ऊर्जा प्लांट का इस्तेमाल नहीं करते है। सरकार ने नेडा के साथ मिलकर सौर ऊर्जा अभियान को आगे बढ़ाने के लिए यह फैसला किया है। पार्षद को वार्ड की गलियों से लेकर हर व्यक्ति के आर्थिक स्थिति तक के बारे में भी जानकारी होती है। उसके अलावा वह वार्ड का जनप्रतिनिधी होता है। उसकी बात की गंभीरता रहेगी। ऐसे में यह अभियान काफी सफल होने की उम्मीद है।

विक्रमादित्य – महात्मा गांधी वार्ड के पार्षद अमित चौधरी के बताया कि उनको भी इससे जोड़ा गया है। मौजूदा समय में पार्षद सौर ऊर्जा यूनिट लगाने वाले कंपनी और कस्टमर के बीच की कड़ी होगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला काफी अच्छा है। इससे निश्चित तौर पर फायदा होगा। पर्यावरण के हिसाब से भी सौर ऊर्जा काफी जरूरी है।

सौर ऊर्जा यूनिट लगाने पर केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक अपने – अपने स्तर पर सब्सिडी दे रही है। प्रति यूनिट करीब – करीब 25 हजार से ज्यादा की सब्सिडी मिलती है। लखनऊ में पिछले दिनों इसका क्रेज बढ़ा है। यहां तक की नेडा ने तय कि है कि बड़ी हाउसिंग सोसाइटी जहां सैकड़ों फ्लैट बने हैं वह भी स्ट्रीट लाइट और आरडब्ल्यूए के हिस्से में आने वाले मरम्मत कार्य के दौरान इस्तेमाल होने वाली बिजली की जगह पर सौर ऊर्जा कनेक्शन लिया जा सकता है। इसको लेकर शहर के एक निजी होटल में स्थानीय रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी, नगर निगम, एलडीए और नेडा के अधिकारियों की बैठक भी हुई है।

अशोक लेलैंड ने वित्त वर्ष 2025 में स्विच मोबिलिटी इंडिया के लिए EBITDA ब्रेक-ईवन पर नजर रखी

परिवहन विशेष न्यूज

अशोक लेलैंड को उम्मीद है कि उसकी इलेक्ट्रिक वाहन सहायक कंपनी स्विच मोबिलिटी लिमिटेड का भारतीय कारोबार इस वित्तीय वर्ष के दौरान परिचालन आधार पर भी लाभ में रहेगा।

अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने शुक्रवार, 08 नवंबर को संवाददाताओं से कहा, ₹हम स्विच के प्रदर्शन से खुश हैं। स्विच इंडिया को इस वित्त वर्ष में ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने की उम्मीद है।"

EBITDA ब्रेक-ईवन का मतलब यह नहीं है कि कंपनी कुल मिलाकर लाभदायक है, बल्कि इसका मतलब है कि कंपनी परिचालन से उत्पन्न राजस्व का उपयोग करके अपने परिचालन व्यय को पूरा कर सकती है। परिचालन व्यय में ब्याज, कर और मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय शामिल नहीं हैं।

स्विच मोबिलिटी ने अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक बसों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में कदम रखा। कंपनी के विनिर्माण केंद्र चेन्नई और यू.के. में हैं। इसके उत्पादों में बसों की EiV श्रृंखला और LCV की IeV श्रृंखला

शामिल हैं।

भारत में स्विच मोबिलिटी ने दो इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च की हैं EiV 12 और EiV 22 डबल डेकर। इसकी शहरी सवारी के लिए एक लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बस लॉन्च करने की भी योजना है जिसे एक नए प्लेटफ़ॉर्म पर विकसित किया जा रहा है।

हिंदुजा ने कहा, ₹स्विच मोबिलिटी के पास 2,000 बसों का ऑर्डर है, जिसकी आपूर्ति अगले 12 महीनों में करने की उम्मीद है।₹ स्विच ने हाल ही में चेन्नई में अपनी वार्षिक क्षमता को 3,000 इलेक्ट्रिक बसों तक बढ़ाया है क्योंकि यह देश के विभिन्न राज्यों में इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए और अधिक ऑर्डर की तलाश में है।

इलेक्ट्रिक एलसीवी की बात करें तो कंपनी के पास दो पेशकश हैं IeV4 और IeV3, जिन्हें उसने इस साल लॉन्च किया है। इन दो उत्पादों के साथ, कंपनी का मानना है कि वह इस सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कम से कम 80% बाजार को कवर कर सकती है।

स्विच मोबिलिटी का अनुमान है कि एलसीवी (7 टन से कम वजन वाले माल वाहक) में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच अगले दो से तीन वर्षों में 5% तक पहुंच जाएगी और 2030 तक इसमें और सुधार होकर 12-13% हो जाएगी। कंपनी ने दशक के अंत तक 15-20% बाजार हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा है।

मारुति की पहली ईवी होगी इस तारीख को लॉन्च, 500 किमी. से ज्यादा की रेंज के साथ मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

देश की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti की ओर से इलेक्ट्रिक वाहन को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से इसे कब लॉन्च किया जाएगा। किस तरह के फीचर्स के साथ इसे लाया जाएगा। किस सेगमेंट में EV को लाया जाएगा। सिंगल चार्ज में इसे कितने किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti की ओर से कई बेहतरीन कारों की बिक्री भारतीय बाजार में की जाती है। अभी तक कंपनी की ओर से ICE, CNG और Hybrid तकनीक के साथ वाहनों को ऑफर किया जाता है। लेकिन जल्द ही मारुति की पहली EV आने वाली है। कंपनी इसे कब पेश करने की तैयारी कर रही है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

मारुति लाएगी पहली EV

मारुति की ओर से भारतीय बाजार में कई तकनीक के साथ कारों को ऑफर किया जाता है। हाल में ही कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि कंपनी जल्द ही अपनी पहली EV को लाने की तैयारी कर रही है।

कब आएगी EV

मारुति सुजुकी इंडिया के सीनियर एग्जीक्यूटिव अधिकारी पार्थो बैनर्जी की ओर से Jagran को बताया गया है कि जनवरी 2025 में होने वाले Bharat Mobility 2025 में पहली EV को लॉन्च किया जाएगा। जिसके बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इसे भारत मोबिलिटी के पहले ही दिन 17 Janaury 2025 को लॉन्च कर सकती है। हालांकि अभी औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा होनी बाकी है।

इटली में हो चुकी है शोकेस

कंपनी की ओर से इस गाड़ी को भारतीय बाजार में भले ही जनवरी में लाया जाएगा। लेकिन इटली के मिलान शहर में चार नवंबर 2024 को इसे पेश किया जा चुका है। मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक गाड़ी के तौर पर E-Vitara को दिखाया जा चुका है।

कैसे हैं फीचर्स

मारुति ने E Vitara एसयूवी को Heartect-E प्लेटफॉर्म पर बनाया है। जिसे खास तौर पर BEV के लिए डेवलप किया गया है। इसमें 4WD क्षमता को भी ऑफर किया जाएगा। इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को दिया गया है। एसयूवी में एलईडी लाइट्स, के साथ ही रियर में कनेक्टिड टेल लाइट्स, फ्रंट फॉग लैंप, 360 डिग्री कैमरा, 18 और 19 इंच के अलॉय व्हील्स, ड्यूल टोन एक्सटीरियर और इंटीरियर, शॉर्क फिन एंटीना, रियर वाइपर और स्पॉयलर, की-लैस एंट्री, ड्राइविंग के लिए अलग-अलग मोड्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और इंफोटेनमेंट सिस्टम, 2स्पोक स्टेयरिंग व्हील, क्रूज कंट्रोल, दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स को दिया जाएगा। इसके साथ ही इसमें ADAS को भी दिया जा सकता है।

कितनी है रेंज

कंपनी की ओर से पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर पेश की गई E Vitara में बैटरी के दो विकल्प दिए जाएंगे। पहले विकल्प के तौर पर 49 kWh की क्षमता की बैटरी होगी और दूसरे विकल्प के तौर पर इसमें 61 kWh की क्षमता की बैटरी मिलेगी। जिनसे सिंगल चार्ज में 550 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है। इसके 49 kWh क्षमता वाली बैटरी के वेरिएंट में सिर्फ 2WD को दिया जाएगा, जबकि दूसरे वेरिएंट के साथ 4WD का विकल्प भी मिलेगा।

कितनी दमदार बैटरी

मारुति की ओर से ई-विटारा में 49 kWh की बैटरी के साथ जो मोटर दी जाएगी उससे एसयूवी को 106 किलोवाटर की पावर और 189 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। वहीं इसके 61 kWh क्षमता वाले वेरिएंट में लगी मोटर से इसे 128 और 135 किलोवाट की पावर और 189 और 300 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। इसमें सिंगल स्पीड इलेक्ट्रिक ड्राइव ट्रांसमिशन को दिया जाएगा।

कितनी लंबी-चौड़ी है एसयूवी

जानकारी के मुताबिक इसकी लंबाई 4275 एमएम है। इसकी चौड़ाई 1800 एमएम, ऊंचाई 1635 एमएम और व्हीलबेस 2700 एमएम है। इसका टर्निंग रेडियस 5.2 मीटर होगा और इसकी ग्राउंड क्लियरेंस 180 एमएम होगी।

अमारा राजा नवंबर के अंत तक बैटरी री-साइक्लिंग प्लांट का संचालन कर देगा शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी लिमिटेड नवंबर के अंत तक तमिलनाडु में अपने ग्रीनफील्ड लेड एसिड बैटरी रिसाइकिलिंग प्लांट में वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर देगी, क्योंकि यह विनिर्माण में उपयोग किए जाने वाले रिसाइकिल किए गए लेड स्रोतों के अनुपात को बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उम्मीद है कि रिसाइकिलिंग प्लांट अंततः कंपनी की कुल कच्चे माल की ज़रूरतों का 25-30% पूरा करेगा।

अमारा राजा के सीएफओ डेल्ली बाबू ने निवेशकों को बताया, ₹हमने तमिलनाडु में जो रिसाइकिलिंग प्लांट स्थापित किया है, वह इस महीने के अंत तक रिफाइनिंग वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने जा रहा है। हम इस वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान बैटरी ब्रेकिंग परिचालन शुरू करने जा रहे हैं।"

तमिलनाडु के चेय्यार में अमर राजा की सहायक कंपनी अमर राजा सर्कुलर सॉल्यूशंस के तहत स्थापित इस प्लांट की कुल रीसाइक्लिंग क्षमता 1.5 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष होगी। इस क्षमता को चरणों में बढ़ाया जाएगा, पहले चरण में एक लाख मीट्रिक टन की क्षमता होगी।

यह सुविधा उन्नत प्रौद्योगिकियों जैसे कि डी-सल्फराइजेशन प्रणाली और ऑक्सी-ईंधन प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है, जो CO_2 उत्सर्जन को काफी कम करती है और स्लैग में सीसे की मात्रा को न्यूनतम करती है, जिससे उच्च दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित होती है।

कच्चे माल की बढ़ती मांग को देखते हुए बैटरी रीसाइक्लिंग को दीर्घकालिक लागत दक्षता और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के लिए आवश्यक माना जाता है। यह बैटरी कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में भी मदद करता है।

अपने जीवन-काल के अंत में उत्पाद पुनः प्राप्ति प्रक्रियाओं के अंतर्गत अमारा राजा ने एक ऐसी प्रणाली स्थापित की है जो खरीद से लेकर प्रसंस्करण, अपशिष्ट उत्पादन और पुनर्प्राप्ति तक के पूरे जीवन-चक्र को कवर करती है। वर्तमान में, कंपनी के विनिर्माण में उपयोग किए जाने वाले सीसे में 83% सीसे का योगदान पुनर्चक्रित स्रोतों से होता है।

बंद लूप प्रणाली में डीलरों से पुरानी बैटरियाँ खरीदना, तीसरे पक्ष के रिसाइकिलर के माध्यम से सामग्री को रिसाइकिल करना और नई बैटरी के उत्पादन के लिए पुनर्प्राप्त सीसे का उपयोग करना शामिल है। अमारा राजा सर्कुलर सॉल्यूशंस स्क्रैप बैटरियों को इकट्ठा करके और ग्राहकों को प्रतिस्थापन की पेशकश करके सीसे को रिसाइकिल करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

सरकारी आदेश के अनुसार बैटरी निर्माताओं को बैटरी के लिए न्यूनतम वार्षिक रिकवरी लक्ष्य पूरा करना होगा, जो 2024-25 तक 70%, 2025-26 तक 80% और 2026-27 तक 90% है। अमारा राजा के प्रबंधन ने उल्लेख किया कि उसने रिकवरी लक्ष्य हासिल कर लिया है।

कंपनी को रीसाइक्लिंग प्लांट से सामग्री की लागत में भी कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ₹जहां तक रीसाइक्लिंग का सवाल है, अगर हम सीसे की रिकवरी में 2-3% तक सुधार कर सकें तो इसकी संभावना हो सकती है। इससे सामग्री की लागत में कम से कम 1.5-2% की कमी आनी चाहिए।₹ उन्होंने कहा कि यह कमी प्लांट से निकाली गई कुल मात्रा पर निर्भर करती है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा

विजय गर्ग

स्कूली शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न पहलों के बावजूद भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मुद्दा जटिल है और सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक और ढांचागत कारकों से प्रभावित है। यहां कुछ प्रमुख पहलू दिए गए हैं: 1. सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ पितृसत्तात्मक मानदंड: कई ग्रामीण समुदायों में, लड़कियों की तुलना में लड़कों को शिक्षित करने को अधिक प्राथमिकता दी जाती है। यह प्राथमिकता उन पारंपरिक विचारों में निहित है जो भविष्य में कमाने वाले के रूप में लड़कों को प्राथमिकता देते हैं। जल्दी विवाह: लड़कियों पर अक्सर जल्दी विवाह करने का दबाव डाला जाता है, जिससे उनकी शिक्षा में कमी आती है। ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह की औसत आयु शहरी क्षेत्रों की तुलना में कम है, और इसका सीधा असर लड़कियों की माध्यमिक या उच्च शिक्षा पूरी करने की संभावनाओं पर पड़ता है। सुरक्षा संबंधी चिंताएँ: माता-पिता अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं, खासकर यदि स्कूल दूर हों, जिसके कारण कुछ परिवार अपनी बेटियों को यात्रा-संबंधी सुरक्षा समस्याओं के जोखिम के बजाय घर पर ही रखते हैं। 2. आर्थिक बाधाएँ गरीबी: कई ग्रामीण परिवार गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं और अपने बच्चों की शिक्षा के बजाय काम को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे मामलों में, लड़कियों को अक्सर घरेलू काम-काज या परिवार की आय में योगदान देने का काम सौंपा जाता है, जिससे शिक्षा कम सुलभ हो जाती है। शिक्षा की लागत: जबकि प्राथमिक शिक्षा अक्सर मुफ़्त होती है, माध्यमिक शिक्षा में वर्दी, किताबें और परिवहन की लागत शामिल हो सकती है, जो गरीब परिवारों को लड़कियों को स्कूल भेजने से हतोत्साहित करती है। 3. बुनियादी ढांचे की चुनौतियाँ स्कूल की उपलब्धता: कई ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक विद्यालयों तक पहुंच सीमित है या बिल्कुल नहीं है, जिससे छात्रों को लंबी दूरी तय करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो लड़कियों के लिए एक बाधा है। शौचालय और स्वच्छता सुविधाओं की कमी: अपर्याप्त स्वच्छता, विशेष रूप से लड़कियों के शौचालयों की कमी, उन किशोरियों के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा है जो मासिक धर्म के दौरान स्कूल छोड़ सकती हैं या असुविधा और शर्मिंदगी के कारण पूरी तरह से पढ़ाई छोड़ सकती हैं। शिक्षकों की कमी और गुणवत्ता: ग्रामीण स्कूलों में अक्सर योग्य शिक्षकों और संसाधनों की कमी होती है। शिक्षक, विशेष रूप से महिला शिक्षक, दुर्लभ हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और शिक्षा क्षेत्र में लड़कियों के रोल मॉडल को सीमित करता है। 4. सरकार और एनजीओ प्रयास बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ: इस पहल का उद्देश्य सुरक्षा और शिक्षा दोनों पर ध्यान केंद्रित करके लड़कियों की स्थिति में सुधार करना है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो सामाजिक दृष्टिकोण और शिक्षा पहुंच दोनों को लक्षित करता है। मध्याह्न भोजन योजना: निःशुल्क भोजन प्रदान करके, यह कार्यक्रम स्कूल में उपस्थिति को प्रोत्साहित करता है। कई परिवारों के लिए, यह भोजन लड़कियों सहित अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय: ये आवासीय विद्यालय विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों की लड़कियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा में नामांकन दर में सुधार करना है। एनजीओ कार्यक्रम: कई एनजीओ छात्रवृत्ति, जागरूकता अभियान और जमीनी स्तर के आंदोलनों के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए काम करते हैं, जिसमें अक्सर मानसिकता बदलने के लिए समुदाय के सदस्यों को शामिल किया जाता है। 5. सकारात्मक प्रभाव और भविष्य का दृष्टिकोण लड़कियों की शिक्षा से बेहतर आर्थिक अवसर मिलते हैं, स्वास्थ्य में सुधार होता है और बाल विवाह की दर में कमी आती है, जिससे पूरे समुदाय के लिए लाभ का एक चक्र बनता है। बेहतर बुनियादी ढांचे, अधिक प्रोत्साहन और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण भारत में लड़कियों के सामने आने वाली अनोखी बाधाओं को दूर करने से दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन हो सकता है। कुल मिलाकर, जबकि भारत ने लड़कियों की शिक्षा में प्रगति की है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य बाकी है।व्यवस्थित परिवर्तन और निरंतर सामुदायिक सहभागिता एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण है जहां लड़कियां पूरी तरह से शिक्षा तक पहुंच सकें और लाभ उठा सकें।

"किताबों से बढ़ती दूरी"

जल्द से जल्द कुछ सीखने की चाहत इंसान को अन्य प्राणियों से अलग बनाती है बौद्धिक विकास की इस सतत यात्रा में जो चीजें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं वे हैं अध्यात्म, विज्ञान, संगीत, साहित्य, कला आदि पर किताबें। जब यह माना जाता था कि किताबें धीरे-धीरे इस दुनिया से गायब हो जाएंगी, उदाहरण के लिए, जब रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट आया, तो यह कहा जाने लगा कि अब किताबें कौन पढ़ेगा? अब सारी जानकारीआपकी स्क्रीन पर मौजूद होने के बावजूद किताबों की मांग वैसी ही बनी हुई है लेकिन किताबों की उपलब्धता हम सभी को निराश कर सकती है। कोरोना के दौरान स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच युवा पीढ़ी को हो रही है महामारी, शिक्षकों और छात्रों के बीच दरार थी, लोग अपने घरों में कैद थे, कोई सामाजिक संबंध नहीं बन रहे थे। तब लोग स्मार्टफोन के जरिए एक-दूसरे से जुड़े थे लेकिन हमारी जरूरत की यह वस्तु कब हमारी आदत बन गई, पता ही नहीं चला और युवा पीढ़ी ने गेम खेलना शुरू कर दिया।, वीडियो देखने, चैटिंग आदि में अपना समय बर्बाद करने लगे। यह हम सभी के लिए चिंता का विषय है। इसने हमसे जो महत्वपूर्ण चीज़ छीन ली वह है धैर्य जैसे-जैसे हम विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, हमारा धैर्य कम होता जा रहा है। आमतौर पर एक किताब को ख़त्म करने में एक सप्ताह का समय लगता है। धैर्य कम होने के कारण एक बड़े वर्ग ने किताबें पढ़ना बंद कर दिया है और शुरुआती दिनों में जब मैंने हिंदी फिल्में देखना शुरू किया था फिल्में ढाई से तीन घंटे लंबी होती थीं। फिर फिल्म निर्माता दर्शक कम करते गएसहनशीलता के कारण फ़िल्में और भी छोटी कर दी गईं, अब फ़िल्में अधिकतम दो घंटे में पूरी हो जाती हैं लेकिन लोगों का धैर्य अब दो घंटे की फिल्म देखने से नहीं चूक रहा है। यूट्यूब पर एक बड़ा वर्ग अब सिर्फ एक मिनट का वीडियो देखने लगा है, जो एक मिनट में मनोरंजन रीलों से एक कदम आगे है। एक ट्रेंड सामने आया है, एक ऐसी इमेज बनाई गई है जो चंद मिनटों में ही लोगों को हंसा सकती है।सेकंडों में मनोरंजन किसी मीम पर सेकंडों में हंसने से बेहतर है कि एक सप्ताह किताब पढ़कर बिताया जाए। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रतिस्पर्धा के इस युग में हम हमेशा जल्दी में रहते हैं, हमारे पास किताबें पढ़ने का समय नहीं है। उदाहरण के लिए, बुजुर्गों के साथ समय बिताना, बागवानी करना, सुबह की सैर पर जाना, छोटे बच्चों से बात करना क्षेत्र आदि आज के युग के सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं।किताब पढ़ना तो दूर, लोग किताब खरीदना भी नहीं चाहते हिंदी साहित्य की हालत तो और भी ख़राब है. अंग्रेजी व्यवसाय की भाषा है, इसलिए लोग हिंदी पढ़ने को मजबूर हैं, पंजाबी प्रेम की भाषा है, इसलिए बड़ी आबादी इसे नजरअंदाज कर रही है, युवाओं के बीच हिंदी पंजाबी अखबारों की लोकप्रियता भी कम हो रही है। हिंदी पट्टी के लोग भी प्रतिस्पर्धा से बाहर निकलने के चक्कर में अंग्रेजी अखबार पढ़ रहे हैं, ऐसा क्यों हो रहा है? युवा पीढ़ी हिंदी किताबों और अखबारों से क्यों विमुख हो रही है? धैर्य का कम होनाइसके अलावा, क्या कोई अन्य भाग है जिस पर काम करने की आवश्यकता है? पाठक कम हो रहे हैं, उन्हें वापस कैसे लाया जाए, इस पर चर्चा की जरूरत है। इंटरनेट लोगों को अपने जाल में फंसा लेगा, भले ही वे ऐसा न चाहें। इंटरनेट पर आपका समय इस तरह बर्बाद होगा कि आप अपराध बोध के बजाय आनंद लेने लगेंगे। क्या किताबों और अखबारों से यह आनंद संभव है? क्या इंटरनेट पर मौजूद ज्ञान को किताबों और समाचार पत्रों के माध्यम से आसानी से उपलब्ध नहीं कराया जा सकता? यह केवल लेखकों और संपादकों की ही नहीं, बल्कि उनसे कहीं अधिक जिम्मेदारी हैपाठकों को भी यह प्रण लेना चाहिए कि हम महीने में कम से कम दो किताबें पढ़ेंगे। ज्ञान के लिए समय लगता है, धैर्य ही ज्ञान की कुंजी है। बेशक रीलों में डांस देखकर मनोरंजन किया जा सकता है, लेकिन जो ज्ञान मिलता है किताबों से कहीं और पहुंचना नामुमकिन है, इसलिए किताबों से प्यार करना जरूरी है

संपादक की कलम से

ईमानदारी की जीत

ईमानदारी का इनाम..=बहुत समय पहले की बात है। किसी गांव में बाबूलाल नाम का एक पेंटर रहता था। वो बहुत ईमानदार था, किन्तु बहुत गरीब होने के कारण वो घर घर जा कर पैंट का काम किया करता था। उसकी आमदनी बहुत कम थी।

बहुत मुश्किल से उसका घर चलता था।पूरा दिन मेहनत करने के बाद भी वो सिर्फ दो वक्त की रोटी ही जुटा पाता था। वो हमेशा चाहता था कि उसे कोई बड़ा काम मिले जिसे उसकी आमदनी अच्छी हो। पर वो छोटी काम भी बड़े लगन और ईमानदारी से करता था।

एक दिन गांव के जमीनदार ने बुलाया और कहा – "सुनो बाबूलाल! मैने तुम्हे यहां एक बहुत जरूरी काम के लिए बुलाया है। क्या तुम वो काम करोगे?" बाबूलाल – "जी हजूर! जरूर करूंगा। बताइए क्या काम है।" जमीनदार -" में चाहता हूं तुम मेरे नाब पैंट करो और ये काम आज ही हो जाना चाहिए।" बाबूलाल – "जी हजूर! ये काम में आज ही कर दूंगा।" सामान ले कर जैसे बाबूलाल आता है वो नाव को रंगना सुरु कर देता है।

जब बाबूलाल नाव रंग रहा था तो उसने देखा नाव में छेद था। वो सोचा अगर इसे ऐसे ही पैंट करदिया जाएगा तो ये डूब जाएगी ऐसा सोच कर वो छेद को भर देता है और नाव को पैंट कर देता है। फिर जमीनदार के पास जाता है और कहता है -" हजूर! नाव का काम पूरा हो गया। आप चल कर देख लीजिए।"

फिर वो दोनो नदी किनारे जाते है। नाव को देख कर जमीनदार बोलता है – "अरे वाह बाबूलाल! तुमने तो बहुत अच्छा काम किया है। ऐसा करो तुम कल सुबह आ कर अपना पैसा ले जाना।" उसके बाद वो दोनो अपने अपने घर चले जाते है। अगले दिन जमनिदार के परिवार उसी नाव में नदी के उसपार घूमने जाते है।

शाम को जमीनदार का नौकर रामू जो उसकी नाव की देख रेख भी करता था छुटी से वापस आता है और परिवार को घर पर ना देख कर जमीनदार से परिवार वाले के बारे में पूछता है। जमीनदार उसे सारी बात बताता है। जमीनदार बात सुन कर रामू चिंतन में पड़ जाता है, उसे चिंतित देख कर जमीनदार पूछता है – "क्या हुआ रामू? ये बात सुन कर तुम चिंतित क्यूं हो गए।" रामू – "सरकार! लेकिन उस नाव में तो छेद था।

रामू की बात सुन कर जमीनदार भी चिंतित हो जाता है तभी उसकी परिवार वाले पूरा दिन मौज मस्ती कर के वापस आ जाते है। उन्हें सकुशल देख कर जमीनदार चैन की सांस लेता है। फिर अगले दिन जमीनदार बाबूलाल को बुलाता है और कहता है – "ये लो बाबूलाल तुम्हारा मेहनत का पैसा, तुमने बहुत बढ़िया काम किया है। में बहुत खुश हूं।" पैसे गिनने के बाद बाबूलाल हैरान हो जाता है क्यूं की वो पैसे ज्यादा थे। वो जमीनदार से कहता है – "हजूर! अपने मुझे गलती से ज्यादा पैसे दे दिए है"।

जमीनदार – "नहीं बाबूलाल! ये मैने तुम्हे गलती से नहीं दिए। ये तुम्हारी मेहनत का ही पैसा है। क्यूं की तुमने बहुत बड़ा काम किया है। तुमने इस नाव की छेद को भर दिया जिस के बारे में मुझे पता भी नहीं था। अगर तुम चाहते तो उसे ऐसे भी छोड़ सकते थे। पर तुमने एसा बिल्कुल नहीं किया जिसके लिए मेरे परिवार सुरक्षित घर वापस आ गए है।

बहुत से बुजुर्ग पारिवारिक हिंसा के शिकार हैं

विजय गर्ग

बुढ़ापे में कई तरह की समस्याएं, अकेलापन, चिंता और तनाव अक्सर जानलेवा साबित होते हैं। जनरेशन गैप के कारण जीवनशैली में बदलाव के कारण बुजुर्ग असुरक्षित महसूस करते हैं। कभी संयुक्त परिवारों की आन-बान और शान रहे 'खुंडे वाले वाहन' को उनकी आर्थिक स्थिति के कारण उनके बेटे-बहुएं नजरअंदाज कर रहे हैं। यह समस्या देश के 80 फीसदी बुजुर्गों की है जो अकेले रह रहे हैं। वर्तमान में आर्थिक साम्राज्यवाद, वैश्वीकरण, उदारीकरण और बढ़ता औद्योगीकरणबुढ़ापा हाशिए पर चला गया है. टूटते संयुक्त परिवारों के कारण घरों के बुजुर्ग अकेलेपन की घातक बीमारी की चपेट में आ गये हैं। भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को अनुभवों का खजाना माना गया है, लेकिन आजकल उम्र बढ़ना एक ऐसी चिंता का विषय बन गया है कि बुजुर्गों को अपने परिवार और समाज से उदासीनता, दुर्व्यवहार और उपेक्षा सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान पीढ़ी ने भारतीय समाज में संयुक्त परिवारों के महत्व को नजरअंदाज कर दिया है। आर्थिक जरूरतों के लिए देश के 48 फीसदी बुजुर्ग माता-पिता पूरी तरह से अपने बच्चों का सहारा लेते हैंउन पर निर्भर हैं क्योंकि उनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है। 34 फीसदी बुजुर्ग पेंशन और बचत पर गुजारा कर रहे हैं. यह भी कड़वा सच है कि 2050 में हर चौथा व्यक्ति बुजुर्ग होगा। प्रचलित उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण 60 प्रतिशत बुजुर्ग पारिवारिक दुर्व्यवहार और यातना सहने को मजबूर हैं।

50 प्रतिशत बुजुर्ग महिलाएं शारीरिक हिंसा, 46 प्रतिशत अपमान और 40 प्रतिशत भावनात्मक यातना सहने को मजबूर हैं। इसमें आर्थिक कठिनाई, मारपीट और हिंसा शामिल है, लेकिन न्याय प्रणाली में यह एक साधारण अपराध हैमाना जाता है गांवों में रहने वाले 75 प्रतिशत बुजुर्ग पारिवारिक हिंसा के शिकार हैं। उन्हें कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती. दो जून की रोटी के लिए परिवार के लोग उनसे मजदूरों की तरह काम लेते हैं। एक से अधिक बेटे होने की स्थिति में वे अपने बुजुर्ग माता-पिता को बांट देते हैं। एक हिस्सा मां से और दूसरा हिस्सा पिता से मिलता है, लेकिन कई सालों से साथ रहने वाले और एक-दूसरे के दुख-सुख के साथी रहे बुजुर्ग माता-पिता एकाकी जीवन जीने को मजबूर हैं।

मामूली वृद्धावस्था पेंशन वाला एक महीनाभोजन और दवा का खर्च वहन करना असंभव ही नहीं बल्कि कठिन भी है। 45 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं। कई किलोमीटर का खतरनाक सफर तय कर वे सरकारी अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन वहां कोई डॉक्टर या दवा नहीं है. निजी अस्पतालों में महंगा इलाज उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है। इसलिए वे बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों के सहारे अपना दिन गुजारते हैं और भीख मांगकर दवा लाते हैं। एक सर्वे के मुताबिक, सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन राशि का 20 फीसदी हिस्सा स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों पर खर्च होता हैजबकि 53 फीसदी बुजुर्ग अपनी बचत को स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करने को मजबूर हैं. भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को किराये में दी जाने वाली छूट भी बंद कर दी है. आज भारत में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों को वरिष्ठ नागरिक का दर्जा पाने के अधिकारों की जानकारी नहीं है। यदि घर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, तो इसके खिलाफ कार्रवाई के लिए उचित मंच क्या है? संविधान ने उन्हें क्या अधिकार दिये हैं? वे इन सब से अनजान हैं क्योंकि उनके पास अपने कानूनी अधिकार हैंके बारे में कोई जानकारी नहीं है बुजुर्गों के विवाहित बेटे-बेटियों के परिवार पर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। पिता के लिए पुत्रों का ऋण चुकाना आवश्यक नहीं है। पिता हिंसक व्यवहार करने वाले या दुर्व्यवहार करने वाले बेटों, पोते-पोतियों, बेटियों और जीवनसाथी को विरासत से बेदखल कर सकते हैं। वृद्धावस्था में बुजुर्गों को वृद्धाश्रमों और तीर्थ स्थलों की यात्रा के बहाने घर से बाहर निकाले जाने का डर भी सताता रहता है। हेल्प अस इंडिया के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के लिए परिवार जिम्मेदार है। इसके मुताबिक 33 प्रतिशत बुजुर्ग स्व21 प्रतिशत बेटे बहुओं के शोषण के शिकार हैं। 40 प्रतिशत बेटे, 27 प्रतिशत बहुएँ, 31 प्रतिशत रिश्तेदार, 16 प्रतिशत महिलाएँ यौन शोषण, 50 प्रतिशत अपमान और 46 प्रतिशत मनोवैज्ञानिक शोषण की शिकार हैं। बुजुर्गों के प्रति बदलते सामाजिक नजरिए के पीछे भौतिकवादी सोच, एकल परिवार और शिक्षा की कमी कारण हैं।

आज रिश्तों से पहले धन-संपत्ति को प्राथमिकता दी जाती है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार दिवस (14 जून) से पहले एक संगठन द्वारा जारी सर्वेक्षण के अनुसार, दो-तिहाई वरिष्ठ नागरिकों का कहना हैकि उन्हें दामादों और परिवार से यातना और अपमान का सामना करना पड़ता है। आज हम (नई पीढ़ी) जो कुछ भी हैं अपने घर के बुजुर्गों की वजह से हैं। उनके अनुभवों और शिक्षाओं से ही हम जीवन की कई कठिनाइयों पर विजय पाते हैं। इस प्रकार यदि बुजुर्गों को उचित मान-सम्मान दिया जाए, उनकी पसंद-नापसंद का ध्यान रखा जाए तो वे घर बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। बुढ़ापे में न केवल परिवार बल्कि समाज को भी उनकी उपेक्षा करने के बजाय उनका साथ देना चाहिए। यही वह समय है जब आपकाहाथ से लगाए गए पौधों की काली छाया का आनंद लिया जा सकता है, लेकिन स्वार्थ इतना भारी हो गया है कि धन और संपत्ति के बिना कुछ भी नजर नहीं आता। यदि अपने बुजुर्गों का भरण-पोषण पहले की तरह ही करना है तो प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक किताबी पढ़ाई के साथ-साथ बुजुर्गों की देखभाल के लिए पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा को भी शामिल करना होगा।

ओलंपिक के लिए दावेदारी व खेल प्रशिक्षण

क्या हिमाचल सरकार बढ़िया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडि़यों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक सकती है

ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात पर भारतीय ओलंपिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी को नयी दिल्ली आयोजन करवाने हेतु पत्र भेज कर पहला कदम उठा लिया है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है, क्योंकि खिलाड़ी से उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव ने विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता? विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है।

हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी, तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है, क्योंकि इस टैस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है। ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां अन्य खेलों- कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वॉलीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज-मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा, वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा।

हद तो तब हो जाती है, जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चत्तम शिखर तक ले जाना चाहता है, जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं।

इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है, वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं, पर वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी, वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार उड़ीसा व गुजरात आदि राज्यों की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडियों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक सकती है? इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा, तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन देकर प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोडऩा होगा, तभी कुछ बेहतर होगा।

क्यों एजेंटिक एआई काम का भविष्य है, और संभावित बेरोजगारी का एक कारण है

एजेंटिक एआई, जो कुछ हद तक स्वायत्तता और निर्णय लेने की क्षमता वाली एआई प्रणालियों को संदर्भित करता है, पारंपरिक रूप से मानव एजेंसी की आवश्यकता वाले जटिल कार्यों को स्वचालित करके काम के भविष्य को आकार दे रहा है। विशिष्ट कार्यों (जैसे चैटबॉट या सिफ़ारिश इंजन) के लिए डिज़ाइन किए गए संकीर्ण एआई टूल के विपरीत, एजेंटिक एआई ऐसे कार्य कर सकता है जिनमें योजना बनाना, समस्या-समाधान और यहां तक कि कुछ स्तर का ₹निर्णय₹ शामिल होता है। यहां बताया गया है कि यह काम के भविष्य को कैसे प्रभावित करता है और बेरोजगारी में योगदान दे सकता है:

1. ज्ञान कार्य की उच्च दक्षता और स्वचालन

एजेंट एआई कार्यों को स्वतंत्रता और अनुकूलनशीलता के स्तर के साथ संभाल सकता है, जिसका अर्थ है कि यह उन कार्यों को स्वचालित कर सकता है जो दोहराए जाने वाले कार्यों से परे हैं। उदाहरण के लिए, डेटा विश्लेषण, परियोजना प्रबंधन और यहां तक कि कुछ रचनात्मक कार्यों में भूमिकाएं खतरे में हैं, क्योंकि एआई सिस्टम मानवीय हस्तक्षेप के बिना सूचित निर्णय ले सकते हैं। इस बढ़ी हुई उत्पादकता के परिणामस्वरूप मनुष्यों के लिए कम नौकरियाँ हो सकती हैं, क्योंकि व्यवसायों को समान उत्पादकता स्तर तक पहुँचने के लिए उतने कर्मचारियों की आवश्यकता नहीं हो सकती है।

2. व्यवसायों के लिए लागत कटौती प्रोत्साहन

एजेंटिक एआई को अपनाकर, कंपनियां श्रम लागत पर बचत कर सकती हैं, क्योंकि ये सिस्टम अक्सर मनुष्यों की तुलना में तेजी से और अधिक सटीकता से कार्य करते हैं। संगठनों के लिए, इसका मतलब कई कर्मचारियों को एक ही एआई सिस्टम से बदलना हो सकता है जो वर्कफ़्लो का प्रबंधन कर सकता है, डेटा का विश्लेषण कर सकता है और पूर्वानुमानित रखरखाव कर सकता है। लागत-संचालित उद्योगों में, इससे कार्यबल में महत्वपूर्ण कटौती हो सकती है और नौकरी विस्थापन में योगदान हो सकता है।

3. कौशल बेमेल और पुनः कौशल की आवश्यकता

चूंकि एजेंटिक एआई अधिक जटिल कार्यों को अपनाता है, इसलिए श्रमिकों को उन्नत तकनीकी कौशल विकसित करने या ऐसी भूमिकाओं में बदलाव करने की आवश्यकता होगी जिनके लिए विशिष्ट मानवीय गुणों (जैसे भावनात्मक बुद्धिमत्ता) की आवश्यकता होती है। एआई विकास की तीव्र गति श्रमिकों की पुनः कौशल क्षमता को खत्म कर सकती है, जिससे कौशल बेमेल हो सकता है, जहां विस्थापित श्रमिक आसानी से उपलब्ध नौकरियों में स्थानांतरित नहीं हो सकते हैं, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में संभावित रूप से बेरोजगारी बढ़ सकती है।

4. निर्णय लेने की भूमिकाओं पर प्रभाव

कई प्रबंधकीय और निर्णय लेने वाले पद जिनमें परंपरागत रूप से मानवीय निर्णय की आवश्यकता होती है, स्वचालन के प्रति संवेदनशील होते जा रहे हैं। एजेंट एआई रुझानों का विश्लेषण कर सकता है, परिणामों का पूर्वानुमान लगा सकता है और सिफारिशें कर सकता है, अक्सर अंतर्दृष्टि के स्तर के साथ जो मानव विशेषज्ञता के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। यदि ये उपकरण विश्वसनीय निर्णय ले सकते हैं, तो मध्य-प्रबंधन भूमिकाएँ सिकुड़ सकती हैं, जिससे कार्यबल के इस खंड में अवसर कम हो सकते हैं।

5. गिग कार्य और अल्पकालिक अनुबंधों में संभावित बदलाव

विभिन्न कार्यों को करने में सक्षम एजेंटिक एआई के साथ, व्यवसाय कम पूर्णकालिक श्रमिकों को रोजगार देने की ओर बढ़ सकते हैं, विशिष्ट, अल्पकालिक जरूरतों के लिए गिग श्रमिकों का पक्ष ले सकते हैं। यह मॉडल पारंपरिक नौकरी सुरक्षा को और अधिक मायावी बना सकता है, जिससे अल्परोजगार में वृद्धि होगी और एक गिग-संचालित अर्थव्यवस्था होगी जहां स्थिर, दीर्घकालिक नौकरियों को सुरक्षित करना कठिन होगा।

एजेंट एआई दक्षता और क्षमताओं में बड़ी प्रगति का वादा करता है, लेकिन यह कार्यबल स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां लाता है। इस भविष्य की तैयारी में शिक्षा को नया स्वरूप देना, विस्थापित श्रमिकों के लिए नीतियों पर पुनर्विचार करना और जटिल सामाजिक संपर्क, रचनात्मकता और नैतिक निर्णय लेने जैसे विशिष्ट मानवीय कौशल पर जोर देने वाली भूमिकाओं को प्रोत्साहित करना शामिल है।

क्या अब आरबीआई को भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरह ब्याज दरों में करनी चाहिए कटौती?

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की है। दुनियाभर की कई अन्य विकसित इकोनॉमी भी ब्याज दरों में कमी कर रही हैं। हालांकि अभी आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती करने जैसा कोई संकेत नहीं दिया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का अभी पूरा फोकस महंगाई को काबू में रखने पर है। आरबीआई की अगली MPC मीटिंग दिसंबर में होगी।

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने उम्मीद के मुताबिक गुरुवार देर रात नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की। इससे पहले वाली मीटिंग में उसने ब्याज दरों को आधा फीसदी घटाया था। दुनिया की अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाएं भी ब्याज दरों में लगातार कटौती कर रही हैं।

यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने तीन बार दरों में कटौती की है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने भी दो बार दरों घटाई हैं। स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा जैसी कई अर्थव्यवस्थाओं ने ढील दी है। चीन भी लंबे समय से किसी भी तरह से ब्याज दरों में राहत दे रहा है।

अब सवाल उठता है कि भारत में ब्याज दरें कब तक कम होंगी? आरबीआई अब किस बात का इंतजार कर रहा है? साथ ही, ब्याज दरें कम करना जरूरी क्यों हो गया है। आइए इन सवालों का जवाब जानने की कोशिश करते हैं।

ब्याज दर (Repo Rate) क्या होती है?

नीतिगत ब्याज दर दरअसल देश में लोन पर इंटरेस्ट रेट को तय करती हैं। इसे अमूमन केंद्रीय बैंक तय करते हैं। इसका आसान-सा हिसाब यह है कि नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट जितनी कम रहेगी, आपको उतना ही सस्ता होम, कार या भी कोई अन्य लोन मिलेगा।

आरबीआई हर दो महीने में ब्याज दरों की समीक्षा करता है, लेकिन उसने फरवरी 2023 से नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

महंगाई का ब्याज दर से कनेक्शन

महंगाई का ब्याज दर से सीधा कनेक्शन है। ब्याज दरें अगर कम रहेंगी, तो लोगों को सस्ता लोन मिलेगा। वे घर या गाड़ी खरीदने जैसा खर्च बढ़ाएंगे। लोन का इस्तेमाल किसी आर्थिक गतिविधि जैसे निवेश (व्यवसाय में) या उपभोग (घर, मोबाइल फोन, छुट्टी) के लिए किया जाता है। जब ब्याज दरें कम होती हैं, तो कर्ज उठाव अधिक होता है।

इससे डिमांड और जीडीपी ग्रोथ के साथ महंगाई भी बढ़ती है। इस स्थिति में केंद्रीय बैंक अमूमन ब्याज दरों को बढ़ा देते हैं। इससे कर्ज महंगा हो जाता है और मार्केट में नकदी घटने लगती है। फिर धीरे-धीरे

महंगाई काबू में आ जाती है।

RBI ब्याज दर क्यों नहीं घटा रहा?

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के मुताबिक, केंद्रीय बैंक का फिलहाल सबसे ज्यादा फोकस मुद्रास्फीति घटाने पर है। खासकर, खाद्य महंगाई ने आरबीआई को परेशान कर रखा है। आलू, प्याज और टमाटर जैसी सब्जियों के दाम लगातार आसमान पर बने हुए हैं। क्रूड ऑयल की अस्थिरता ने अलग परेशानी बढ़ा रखी है।

दास ने पिछले महीने एक इंटरव्यू में कहा था, 'जब मुद्रास्फीति 5.5 फीसदी पर हो और इसके आने वाले समय में ऊंचा बने रहने का अनुमान हो, तो ब्याज दरों में कटौती करना मुमकिन नहीं। खासकर, जब आर्थिक वृद्धि अच्छी गति से आगे बढ़ रही हो।'

ब्याज दरों में कटौती जरूरी क्यों

भारत की आर्थिक तरक्की की रफ्तार कुछ सुस्त पड़ रही है। एसबीआई के मुताबिक, सितंबर तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रह सकती है। इससे पहले ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान था। कुछ आर्थिक जानकार आशंका जता रहे हैं कि पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी से कम रह सकती है।

FMCG कंपनियों ने भी खपत में सुस्ती की बात कही है। ऑटो कंपनियों की बिक्री भी उम्मीद से कम रही है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती से आम जनता को राहत मिलेगी और खपत में बढ़ोतरी होगी।

फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर घटाई ब्याज, जेरोम पॉवेल बोले- ट्रंप के कहने पर भी नहीं दूंगा इस्तीफा

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने गुरुवार को ब्याज दरों में 25 आधार अंक या .25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की। अब बैंक की प्रमुख ब्याज दर घटकर 4.6 प्रतिशत रह गई है, जो फेडरल रिजर्व की सितंबर की बैठक से पहले 5.3 प्रतिशत थी। सितंबर में बैंक ने ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की कटौती की थी।

फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में कटौती

अमेरिका में महंगाई अब केंद्रीय बैंक के लक्ष्य दो प्रतिशत के करीब आ गई है। इससे फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में कटौती करने में मदद मिल रही है। मध्य 2022 में अमेरिका में महंगाई दर पिछले चार दशक के उच्च स्तर 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो इसी वर्ष सितंबर में घटकर 2.4 प्रतिशत पर आ गई थी।

अमेरिका में करीब डेढ़ वर्ष से उच्च स्तर पर बनी महंगाई

जानकारों का कहना है कि अमेरिका में करीब डेढ़ वर्ष से उच्च स्तर पर बनी महंगाई ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद के हालिया चुनाव में जीत दर्ज करने में मदद की है क्योंकि लोग खाने-पीने की महंगी वस्तुओं और महंगे लोन से जूझ रहे थे।

ट्रंप के कहने पर भी नहीं दूंगा इस्तीफा- जेरोम पॉवेल

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने गुरुवार को कहा कि अगर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन्हें समय से पहले पद छोड़ने के लिए कहेंगे तो वह इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि फेड के सात गवर्नरों में से किसी को भी बर्खास्त करने की कानून के तहत अनुमति नहीं है। पॉवेल का फेड अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है।

ट्रंप ने पॉवेल पर कई बार साधा निशाना

ट्रंप अपने चुनावी अभियान में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल पर बार-बार आरोप लगाते रहे हैं और पॉवेल को ट्रंप ने ही अपने कार्यकाल में पहली बार अमेरिकी केंद्रीय बैंक को चलाने के लिए नियुक्त किया था।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह फेड की ब्याज दरों को निर्धारित करने के मामले में कम से कम अपनी बात कहना चाहेंगे, जिसे वर्तमान में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दोनों से निपटने के लिए कांग्रेस से स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए बैंक के दोहरे जनादेश के तहत अनुमति नहीं है।

शादी सीजन में बढ़ी सोने और चांदी की डिमांड, जानिए कितना बढ़ गया भाव

सोने और चांदी की कीमतों में आज तेज उछाल आया है। शादी के सीजन में आभूषण के लिए दोनों कीमती धातुओं की डिमांड बढ़ी है। साथ ही वैश्विक अनिश्चितता के चलते निवेशक भी गोल्ड का रुख कर रहे हैं जिसे सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। हालांकि ग्लोबल मार्केट में सोने के भाव गिरे हैं। आइए जानते हैं सोने और चांदी का लेटेस्ट प्राइस।

नई दिल्ली। सोने और चांदी के भाव में एक बार भी तेजी देखने को मिली है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की शादी-ब्याह के त्योहारों के लिए ताजा खरीदारी के चलते कीमतों में उछाल आया है।

शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 80,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गई। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला गोल्ड गिरावट के साथ 79,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 800 रुपये उछलकर 94,600 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई, जबकि पिछले दिन इसका भाव 93,800 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था।

क्यों बढ़ा सोने और चांदी का भाव

व्यापारियों का कहना है कि शादी-ब्याह के मौसम के लिए स्थानीय आभूषण कारोबारियों की मांग बढ़ गई है। साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के कारण इन्वेस्टर सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने पर दांव लगा रहे हैं। इससे सोने की कीमतों में तेजी देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध 198 रुपये या 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,213 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे थे।

एक्सपर्ट की क्या है राय

एलकेपी सिक्योरिटीज में कमोडिटी और करेंसी के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहा, ₹डॉलर इंडेक्स में मजबूती और फेडरल रिजर्व (फेड) की नीति घोषणा के बीच सोने में कमजोरी रही, जो 0.25 प्रतिशत की दर कटौती की उम्मीदों के अनुरूप थी।₹

फेड के नजरिए और मुद्रास्फीति के 2 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ने के कारण सोने की कीमतों को समर्थन देने वाला कोई नया कारण नहीं मिला। त्रिवेदी का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी जीत के बाद सोने में मुनाफावसूली जारी रही।

विदेशी बाजार में सोना कमजोर

दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी के अनुबंध 630 रुपये या 0.68 प्रतिशत घटकर 91,683 रुपये प्रति किलोग्राम रह गए। एशियाई बाजार में, कॉमेक्स सोना वायदा 10 डॉलर प्रति औंस या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,695.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

कमोडिटी एक्सपर्ट के अनुसार, शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर में मजबूती के कारण सोने की कीमत 2,700 डॉलर के स्तर से नीचे गिर गई। गुरुवार को यूएस फेड ने ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की। इससे सोने के भाव में तेजी आ सकती है, क्योंकि कम ब्याज दर के माहौल में निवेशक गोल्ड का रुख करते हैं।

होम लोन डिफॉल्ट होने पर क्या करें; प्रॉपर्टी बेचना रहेगा सही विकल्प?

होम लोन पर डिफॉल्ट होना शायद जिंदगी के सबसे मुश्किल अनुभव में से एक हो सकता है क्योंकि घर के साथ आर्थिक और भावनात्मक दोनों रिश्ता होता है। ऐसे में कई बार लोग समझ नहीं पाते कि होम लोन डिफॉल्ट के बाद क्या करना चाहिए। आइए जानते हैं कि होम लोन डिफॉल्ट होने के बाद आप किस तरह से अपनी मुश्किलों को कम कर सकते हैं।

नई दिल्ली। घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। इस सपने को पूरा करने के लिए कई लोग होम लोन लेने का विकल्प भी आजमाते हैं। लेकिन, कभी-कभी हालात ऐसे बन जाते हैं कि होम लोन पर डिफॉल्ट करना पड़ जाता है। यह जाहिर तौर पर किसी के भी लिए काफी मुश्किल अनुभव हो सकता है। लेकिन, आप कुछ कदम उठाकर चीजों को काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं।

लोन की शर्तों पर गौर करें

सबसे पहले आपको लोन एग्रीमेंट पर गौर करना चाहिए। इससे डिफॉल्ट होने की स्थिति से जुड़ी शर्तों को बेहतर से समझ पाएंगे। अगर शर्तों को समझने के लिए बैंक या किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपको अगला कदम उठाने में मदद मिलेगी।

अपने बैंक से बात करें

अगर आप होम लोन पर डिफॉल्ट कर रहे हैं, तो उसके बारे में अपने बैंक को बताएं। उस परेशानी के बारे में बताएं, जिसके चलते आप किस्त नहीं जमा कर पा रहे हैं। बैंक आपकी प्रॉपर्टी पर कब्जा करने से बचना चाहते हैं, क्योंकि यह जटिल और खर्चीली प्रक्रिया है। वे लोन रीस्ट्रक्चरिंग या रीपेमेंट प्लान जैसी राहत दे सकते हैं।

क्या होती है लोन रीस्ट्रक्चरिंग

लोन रीस्ट्रक्चरिंग के तहत कर्ज देने की शर्तें बदली जा सकती हैं। इसका मकसद रीपेमेंट को ज्यादा आसान बनाना होता है। इसमें लोन की अवधि को बढ़ाना, मंथली पेमेंट्स को कम करना या फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट पर स्विच करने जैसे ऑप्शन होते हैं। इस तरह के बदलाव से आपको तात्कालिक राहत मिल सकती है।

लोन की रीफाइनेसिंग का ऑप्शन

अगर मौजूदा बैंक बेहतर रीस्ट्रक्चरिंग प्लान नहीं दे रहा, तो आप किसी अन्य वित्तीय संस्थान के साथ अपने होम लोन की रीफाइनेसिंग पर विचार कर सकते हैं। इसमें मौजूदा लोन के भुगतान के लिए नया लोन लिया जाता है। यह अमूमन कम ब्याज दर पर या फिर लंबी अवधि के लिए होता है। हालांकि, इसके लिए अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना पड़ सकता है और नई शर्तें जोड़ी जा सकती हैं।

प्रॉपर्टी बेचना आखिरी विकल्प

अगर आपकी आर्थिक स्थिति ज्यादा खराब है और उसके जल्दी ठीक होने की संभावना नहीं है, तो आप कर्ज चुकाने और अन्य मुश्किलों से बचने के लिए प्रॉपर्टी बेचने के विकल्प पर भी विचार कर सकते हैं। ऐसे में आपको अपनी प्रॉपर्टी की मौजूदा मार्केट वैल्यू के बारे में पता करना चाहिए। साथ ही, लोन चुकाने के बाद बचे हुए फंड का आकलन करना चाहिए। हो सकता है कि इस फंड से आपको नई शुरुआत करने का मौका मिल जाए।

मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली रेलवे कंपनी का मुनाफा घटा, शेयरों ने लगाया 7 फीसदी का गोता

RVNL Share Price RVNL एक नवरत्न कंपनी है। नवरत्न कंपनियों को सरकार से अनुमति लिए बगैर 1 हजार करोड़ रुपये तक निवेश करने आजादी होती है। इसने बीते 9 महीने में निवेशकों का पैसा चार गुना कर दिया था। हालांकि कंपनी के तिमाही नतीजे बेहद खराब आए हैं जिसके बाद RVNL के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है।

नई दिल्ली। रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) ने पिछले एक साल के दौरान निवेशकों को जोरदार रिटर्न दिया है। इसने बीते 9 महीने में निवेशकों का पैसा चार गुना कर दिया। लेकिन, आज RVNL के शेयर 7 फीसदी तक गिर गए। इसकी वजह रेलवे कंपनी का कमजोर तिमाही नतीजा है। इसका मुनाफे में भारी भारी कमी आई है। RVNL के शेयर दोपहर 12.30 बजे तक 5.43 फीसदी की गिरावट के साथ 451.90 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

27 फीसदी गिरा RVNL का मुनाफा

RVNL का सितंबर तिमाही में शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 27 फीसदी गिरकर 287 करोड़ रुपये पर आ गया। रेवेन्यू में भी मामूली गिरावट आई है और यह 4,855 करोड़ रुपये रहा। ऑपरेशनल लेवल का कंपनी का EBITDA 9 फीसदी गिरकर 271.5 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं, EBITDA मार्जिन भी 0.40 फीसदी घटकर 5.6 फीसदी रहा।

कमजोर नतीजों का था अनुमान

एनालिस्ट ने पहले अनुमान जताया था कि RVNL के तिमाही नतीजे कमजोर रहेंगे। दरअसल, RVNL के पास ऑर्डर की भरमार है। उसने पिछले कुछ दिनों में भी कई बड़े ऑर्डर जीते हैं। लेकिन, उसके प्रोजेक्ट पूरा करने की रफ्तार काफी सुस्त है। इसका नकारात्मक असर उसके वित्तीय प्रदर्शन पर पड़ रहा है।

क्या करती है RVNL

RVNL एक नवरत्न कंपनी है। नवरत्न कंपनियों को सरकार से अनुमति लिए बगैर 1 हजार करोड़ रुपये तक निवेश करने आजादी होती है। RVNL रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करती है। इसके ग्राहकों की बात करें, तो इस लिस्ट में रेलवे के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों के कई अन्य मंत्रालय, विभाग और सरकारी कंपनियां शामिल हैं।

RVNL के शेयरों का हाल?

RVNL के शेयरों ने निवेशकों को शानदार मुनाफा दिया है। पिछले साल 10 नवंबर 2023 को RVNL के शेयर 155.45 रुपये पर थे। यह इसका एक साल का निचला स्तर है। यहां से 9 महीने में यह 316 फीसदी उछलकर 15 जुलाई 2024 को 647.00 रुपये के भाव पर पहुंच गया था, जो इसका रिकॉर्ड हाई है।

हालांकि, RVNL के शेयरों में तेजी का सिलसिला यहीं थम गया। 647 का हाई बनाने के बाद RVNL के शेयर करीब 30 फीसदी तक गिर गए हैं। पिछले एक महीने के दौरान इसमें 7 फीसदी से अधिक की गिरावट

फिक्की के प्रेसिडेंट चुने गए इमामी ग्रुप के हर्षवर्धन अग्रवाल, कई अवॉर्ड से हो चुके हैं सम्मानित

हर्षवर्धन अग्रवाल 3.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी समूह के दूसरी पीढ़ी के कारोबारी हैं। अग्रवाल एक कुशल रणनीतिकार होने के साथ-साथ विविधीकृत इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के भी प्रमुख सदस्य हैं जो संगठन के विकास को गति प्रदान करता है। वे 21 नवंबर को शीर्ष व्यापार चैंबर के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अनीश शाह का स्थान लेंगे।

नई दिल्ली। फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक (एनईसीएम) ने हर्षवर्धन अग्रवाल को भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े उद्योग निकाय फिक्की के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में घोषित किया है। अग्रवाल फिलहाल फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। वे 21 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली 97वीं वार्षिक आम बैठक के समापन पर शीर्ष व्यापार चैंबर के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अनीश शाह का स्थान लेंगे।

अग्रवाल 3.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी समूह के दूसरी पीढ़ी के कारोबारी हैं। उन्हें 2016 में द इकोनॉमिक टाइम्स और स्पेंसर स्टुअर्ट द्वारा प्रतिष्ठित 'फोर्टी अंडर 40' सूची में भारत के सबसे हॉटेस्ट यंग बिजनेस लीडर्स में से एक के रूप में सम्मानित किया गया था।

अपने व्यापक बहुआयामी ज्ञान और अनुभव के साथ अग्रवाल समूह - इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में FMCG व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। अग्रवाल एक कुशल रणनीतिकार होने के साथ-साथ विविधीकृत इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के भी प्रमुख सदस्य हैं, जो संगठन के विकास को गति प्रदान करता है।

लास्ट वर्किंग डे पर सीजेआई चंद्रचूड़ का भावुक विदाई संदेश, हाथ जोड़ते वक्त पूरी गर्दन भी झुका ली

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 9 नवंबर, 2022 को पदभार ग्रहण करने वाले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपना दो साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद न्यायिक सेवा को अलविदा कह दिया। उन्होंने पिछली शाम अपने रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल के साथ एक हल्के-फुल्के पल को याद किया और साझा किया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल का अंतिम दिन था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में औपचारिक विदाई दी गई। अपने अंतिम कार्य दिवस पर डीवाई चंद्रचूड़ ने कृतज्ञता और विनम्रता के साथ अपनी न्यायिक यात्रा पर विचार साझा किया। व्यक्तिगत विचार साझा करते हुए उन्होंने अपने सहयोगियों और कानूनी बिरादरी के सदस्यों से भरे एक अदालत कक्ष को संबोधित किया। निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने उन लोगों से भी माफ़ी मांगी जो उनसे अनजाने में आहत हुए थे। 9 नवंबर, 2022 को पदभार ग्रहण करने वाले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपना दो साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद न्यायिक सेवा को अलविदा कह दिया। उन्होंने पिछली शाम अपने रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल के साथ एक हल्के-फुल्के पल को याद किया और साझा किया। उन्होंने कहा कि जब मेरे रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल ने मुझसे पूछा कि समारोह किस समय शुरू होना चाहिए, तो मैंने दोपहर 2 बजे कहा, यह सोचकर कि इससे हमें बहुत सारे लंबित मुद्दों को निपटाने की अनुमति मिल जाएगी। लेकिन मैंने मन ही मन सोचा-क्या शुक्रवार की दोपहर 2 बजे वास्तव में कोई यहाँ होगा? उन्होंने अपने न्यायिक करियर पर विचार किया और न्यायाधीशों की भूमिका को तीर्थयात्रियों के समान बताया, जो सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ हर दिन अदालत आते हैं। उन्होंने कहा कि हम जो काम करते हैं वह मामले बना या बिगाड़ सकता है। अगर मैंने कभी अदालत में किसी को ठेस पहुंचाई है, तो कृपया मुझे उसके लिए माफ कर दें। उन्होंने जैन वाक्यांश मिच्छामी दुक्कड़म का हवाला देते हुए कहा, जिसका अनुवाद है मेरे सभी भूल को माफ कर दिए जाएं।

समोसे की ताकत

अब समझ आई समोसे की ताकत,
अधिकारियों की हो गई ना आफत।
हा कीमती है मुख्यमंत्री का समोसा,
फ्रीबीज़ नहीं है ये, ना करो भरोसा।
इससे तो अच्छा खा लेते कोई डोसा,
न होता किसी भी प्रकार का शोशा।
समोसा तो विपक्ष ने भी नहीं खाया,
कैसे सरकार विरोधी सूची में आया।
पुलिसकर्मियों के खिलाफ बैठी जांच,
भला समोसे पर ही आ गई ना आँच।
अरे भाई इसे इतना भी क्यों हैं खाना,
ये नहीं है कोई राजनीति का निवाला।
भले ही विकास का ध्यान ना रखना,
ये छीन सकता है नौकरी याद रखना।
सच, यहीं हैं समोसे की बड़ी ताकत,
अधिकारियों की हो जाती हैं आफत।

संजय एम. तराणेकर

वाराणसी में होते-होते टला बड़ा रेल हादसा स्वतंत्रता सेनानी से टकराने से बची अयोध्या धाम स्पेशल

रितेश कुमार यादव

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में छठ महापर्व के दिन बड़ा ट्रेन हादसा होने से टल गया जिसकी वजह से हजारों रेलयात्रियों ने राहत की सांस ली है। वहीं, रेलवे डिपार्टमेंट में हड़कंप मच गया। ये पूरा मामला वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन का है। गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस से टकराने से बिलासपुर-अयोध्या धाम स्पेशल बाल-बाल बची है। अयोध्या धाम स्पेशल चला रहे लोको पायलट की सूझबूझ से दोनों ट्रेनों की टक्कर होने से बची।

वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेन बिलासपुर-अयोध्या धाम स्पेशल और स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस एक ही लाइन पर आमने-सामने आ गई। स्पेशल ट्रेन के लोको पायलट ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को खड़ी देख, इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को टकराने से पहले ही रोक दिया। जहां पर स्पेशल ट्रेन के ड्राइवर ने ट्रेन को रोका वहां से स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस मात्र 50 मीटर से भी कम दूरी पर खड़ी थी। स्पेशल ट्रेन के लोको पायलट ने इसकी जानकारी अधिकारियों को दी तो वे भी एक ही लाइन पर दो ट्रेनों की बात सुनकर हैरान हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। तत्काल अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची।

एडीआरएम ने तत्काल मामले की जांच के आदेश दिए तथा एक ही लाइन पर दो ट्रेनें कैसे आ गई इसके जाँच के लिए संबंधित विभागों की टीम गठित कर दी, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रेलवे अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दोनों ट्रेनों को सुरक्षित रूप से रवाना कर दिया।

स्वास्थ्य बीमा योजना का नाम बदलकर और लागत में कटौती कर भाजपा सरकार ने ओड़िशा को धोखा दिया है : समाजबादी पार्टी

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: समाजवादी पार्टी की ओडिशा राज्य समिति ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने आयुष्मान भारत योजना लागू करके लाखों गरीब परिवारों को उचित स्वास्थ्य सेवा से वंचित कर दिया है।समाजबादी पार्टी के ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष शिव हती यादव ने मीडिया को कहा है कि पूर्व सरकार की बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बी.एस.के.वाई) के तहत ओडिशा के लगभग 96.5 लाख परिवार शामिल थे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत से केवल 33 लाख परिवारों को कवर करने की उम्मीद है, जिनमें से लाखों गरीब लोग स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाएंगे।

बी.एस.के.वाई के तहत, महिला लाभार्थी के लिए स्वास्थ्य बीमा सीमा 10 लाख रुपये प्रति वर्ष है, जबकि पुरुष लाभार्थी के लिए सीमा 5 लाख रुपये है। हालाँकि, आयुष्मान भारत योजना ने सभी लाभार्थियों के लिए 5 लाख रुपये की सीमा निर्धारित की है, जिससे गरीब ग्रामीण मरीज़ आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल से वंचित हो गए हैं। इसके अलावा शिव हाथी ने बताया कि आयुष्मान भारत में यह व्यवस्था नहीं है जबकि बीएसकेवाई एक मरीज के सभी परीक्षण और जांच की सलाह देता है। आयुष्मान भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली गरीब मरीजों को समय पर सेवाएँ प्रदान करने में विफल रही है, कई भाजपा शासित राज्यों में यह योजना सवालों के घेरे में आ गई है। सितंबर 2018 में शुरू की गई और 2019 के आम चुनावों के लिए चल रही इस योजना का उद्देश्य भारत के लगभग 100 मिलियन गरीब परिवारों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करना था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसका कार्यान्वयन काफ़ी हद तक विफल रहा है।उच्च स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम; भारी स्वास्थ्य देखभाल लागत; हितधारकों को एक साथ लाने के लिए टेक्नोलोगी की कमी और बीमा प्रदाताओं की मनमानी के कारण यह योजना केवल कागजों तक ही सीमित रह गई है।

दुनिया का सबसे महत्त्वाकांक्षी स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम, प्रधान मंत्र जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) भारत में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में बदलाव लाने में काफ़ी हद तक विफल रही है।हालाँकि, ओडिशा में पिछली स्वास्थ्य बीमा योजना से राज्य के कई मरीज लाभान्वित हो रहे थे, लेकिन डबल इंजन सरकार के सत्ता में आने के बाद, स्वास्थ्य कल्याण योजना का नाम बदल दिया गया है और चिकित्सा खर्चों में कटौती की गई है और ओडिशा के लाखों गरीब लोगों का शोषण किया जा रहा है1 सरकार प्रदेश की जनता की हितके लिये स्वास्त्य बीमा परिमाण बढ़ाने के साथ चिकिस्चा प्रणाली को सरल करण करने की समाजबादी पार्टी ओड़िशा प्रदेश समिति ने मांग की है।

ट्रेन बौध तक जायेगी ,कुछ महीने और इंतजार

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : कुछ महीने और इंतजार करना होगा। ट्रेन बौध तक जायेगी। रेलवे सुरक्षा प्रणाली का निरीक्षण पूरा। वहीं पैसेंजर ट्रेन का स्पीड ट्रायल 110 की स्पीड पर किया गया है। बौद्ध धर्मावलंबियों में खुशी की लहर दौड़ गई है और लोगों की भीड़ स्टेशन पर पहली ट्रेन देखने का इंतजार कर रही है।अब रेल मंत्रालय की हरी झंडी के बाद पहली ट्रेन बौध स्टेशन पहुंचेगी। दूसरी ओर, जबकि बौध में सी-क्लास जंक्शन का निर्माण पूरा हो चुका है, केवल कुछ परिधीय सुधार कार्य बाकी हैं। हालांकि, यह जल्द ही पूरा हो जाएगा और रेल मंत्रालय की अनुमति के बाद ट्रेन चलेगी, ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीईओ ने कहा। ट्रेन 110 की स्पीड से दौड़ी। सुबरनापुर और बौध के बीच पैसेंजर ट्रेन का स्पीड ट्रायल सफल रहा।

सबसे पहले सीआरएस के साथ 10 विशेषज्ञों की टीम ने 7 ट्रॉलियों की मदद से यात्रा कर रेलवे का निरीक्षण किया। ऊंचाई और गेज मापा और देखा कि सिग्नल सिस्टम कैसे काम करता है। बाद में ट्रेन से गुजरे सभी लोहे के पुलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद एक यात्री ट्रेन बौध पहुंची। दूसरे दिन पायलट को इस पैसेंजर ट्रेन को 110 की स्पीड से संबलपुर की ओर चलाने का निर्देश दिया गया। और लोक पायलट इस परीक्षण में सफल हो गए हैं।

मूलभूत सुविधा से त्रस्त लोगों ने किया वोट वाहिष्कार,चुनाव आयोग को दिया ज्ञापन

सरायकेला खरसावां जिले की बड़ी घटना

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड

रांची, मूलभूत सुविधाओं सहित मौलिक अधिकार से वंचित झारखंड के खरसावां विधानसभा क्षेत्र के नुआगांव पंचायत टोला बागान साही की जनता द्वारा वोट वाहिष्कार कर ग्रामीणों ने जुलुस की शक्ल में चार गांव का भ्रमण किया। इतना ही नहीं सैकड़ों लोग का एक ज्ञापन मुख्य चुनाव आयुक्त, दिल्ली, एवं झारखंड चुनाव अधिकारी को भेजते हुए सड़क, पेयजल, शिक्षा, रोजी रोजगार निमित्त कार्य नहीं होने की वाहिष्कार का कारण दर्शाया।

झारखंड के सर्वाधिक उपेक्षित इलाका सरायकेला ,खरसावां दो देशी रियासत जो नियम अनुसार भारतीय अधिराज्य में शामिल दिनांक 14-15 दिसंबर को 1947 हुआ था आज गणतंत्र में उपेक्षित रह गई है।1977 में जब अनारक्षित सरायकेला सीट आरक्षित हुआ तब परिसीमन को भी घोर जन उपेक्षा पूर्ण बिहार सरकार ने बनाया था। सरायकेला शहर से महज तीन किलोमीटर दुर इस इलाके का सांसद खूंटी के सांसद होते जबकि विधायक खरसावां है। दुरी का परिणाम यह हुआ कि सरायकेला प्रखंड एवं खरसावां प्रखंड के अनेक क्षेत्र आज भी विकास से कोसों दुर है जो बिहार सरकार की जनता को सताने की परिणाम को दर्शाता है। खरसावां विधानसभा क्षेत्र के सरायकेला प्रखंड अंतर्गत -नवागांव अधीन टोला बागान शाही ,यहां आम जनता विकास एवं मौलिक अधिकारों से कसों दूर रह जाना 21वीं की विकास परंपरा को मुंह चिढ़ाता है।

आज तक यहां एक सड़क का निर्माण हो नहीं पाया है लोगों ने कहा कि जब किसी की मृत शरीर लेकर वे श्मशान में जाते हैं तो फिसल पड़ते। गांव में ट्रैक्टर के सिवा कुछ अन्य वाहन नहीं चल पाता। स्कूल की शैक्षणिक हालत अत्यन्त खराब है।, पेयजल आपूर्ति महज एक चापानल के साहरे कुछ टोला में चलता। चारों तरफ खेतों से घीरे लोगों ने साफ पीने का पानी को जरूरी बताया, अस्पताल का कोई ठीकाना नहीं है। यहां के लोगों की रोजी रोजगार नहीं है। निकट नदी है पर सिंचाई के कोई व्यवस्था आज तक नहीं हुई है। इन्हीं मूलभूत असुविधाओंके कारण लोगों ने चुनाव आयोग को शिकायत कर वोट वाहिष्कार करने की बात कही है।

सबसे आश्चर्यचक्स की बात यह है आजादी क पहले निकट स्थित ग्राम लुपुगं 1912 तबलापुर आदि में सरायकेला स्टेट की तरफ से स्कुल बना था उन ओडिया भाषी स्कूलों में सरकार शिक्षक दे पाने में असमर्थ हैं। सैकड़ो साल पहले यहां शैक्षणिक व्यवस्था क्या थी इतिहास गवाह है। लोगों ने पूर्व एवं वर्त के नप्रतिनिधियों, अधिकारियो की गैर जिम्मेदाराना कदम के लिए यह कदम उठाने हेतु स्वयं को विवश बताया है।

एक ऐसे दिगंबर जैन संत जो शंका का समाधान कर नई पहचान लिए हुए है

हरिहर सिंह चौहान

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्यों की एक लम्बी श्रृंखला में इतने अनमोल रत्नों को गुरुदेव ने तराशा हुआ है। उन्हें धर्म के मार्ग से जोड़ कर समाजिक व राष्ट्रीय दायित्व को निभाने की जो प्रेरणा आचार्य श्री ने दी थी । वह अहिंसा पंथ पर चलकर जैन धर्म की नींव को मजबूत करने के लिए बहुत ही प्रभावी है । ऐसे ही परम प्रभावक शिष्य प्रखर वक्ता शंका का समाधान कर के एक नई पहचान लिए हुए दिंगबर जैन मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ अहिल्या धरा इन्दौर में संस्कृति की अमूल्य धरोहर व अध्यात्म उर्जा को जागृत करने के लिए चातुर्मास करने जा रहे हैं। हजारीबाग झारखंड जहां जन्म लेकर पिता जी सुरेन्द्र कुमार जैन व माता सोहनी देवी के घर में जन्मे यहां ऊर्जा का स्तोत्र बालक नवीन संसारी माया मोह में नहीं बंध सका। तभी तो राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में आप को वेराग्य भाव उत्पन्न हुआ। सिध्द क्षेत्र आहार जी टीकमगढ़ में क्षुल्लक दीक्षा उसके बाद ऐलक दीक्षा 1987मे धुवैन जी उसके बाद 1988 में सिध्द क्षेत्र सोनागिरी दतिया मध्यप्रदेश में मुनि दीक्षा ली। मुनि श्री प्रमाणसागर जी गंभीर चिंतन के साथ सहज व सरलता के प्रतिक है। वह लाखों करोड़ों भक्तों के लिए सच्चे मार्ग दर्शक है तभी तो शंका - समाधान के मध्यम से दुख तकलीफ़ विसंगतियों को दूर करने के लिए धर्म के दिखाए गए पवित्र व सच्चे मार्ग पर चलने की सलाह देते वह दिगंबर जैन मुनि जो भव भव से भटक रहे प्राणियों के लिए समाधान के प्रेरणास्रोत हैं। हम सभी गुरु भक्तों ने देखा की मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने

कोरोना काल में जब सभी लोग भयभीत थे तब भावना योग आदि कई प्रकार की साधना से समाजिक जन जागरण के सेतू बनने का काम आप ने किया। संत महात्मा हमेशा से धर्म जागरण के साथ साथ समाज व राष्ट्र के प्रति अपनें वात्सल्य को बढ़ते हैं। तभी तो गंभीर संकट की घड़ी में मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने टेलीविजन व अन्य सोशल नेटवर्किंग साइट के मध्यम से ईश्वर की भक्ति में लोगों को लगाया था। उनके शंका समाधान कार्यक्रम की लोकप्रियता के कई आयामों को छु लिया है । विधा गुरु की छत्रछाया में उस मजबूत नींव की यह इमारत भगवान आदिनाथ से महावीर तक के जीवन से प्रेरणा लेकर बुलंदी को छु रही है। तभी तो राजस्थान में सल्लेखना / संथारा को न्यायालय आत्महत्या मान रहा था न्यायालय ने रोक लगाने की बात कहीं तों मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने इस विषय पर बड़ा आंदोलन 2015 में छेड़ा उन्होंने बताया की सल्लेखना संथारा जैसे जैन साधना के प्रमुख अंग है। एक साथ एक ही दिन पूरे भारत में इसे आत्महत्या मनाने वालों के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया था कि सल्लेखना आत्महत्या नहीं यह मृत्यु के अवश्यंभावी हों जाने की स्थिति में जैन साधना द्वारा साधना प्रद्धति है। मुनि श्री प्रमाण सागर जी 30 वर्षों से आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संघ में अन्य साधुओं के साथ विहार करते आ रहे हैं। निरंतर अपने ज्ञान ध्यान और तप के प्रति पूर्ण सजग और सर्मापित है। आप हिन्दी संस्कृत और प्राकृत भाषा के मूर्धन्य मनीषी है। अंग्रेजी भाषा पर आपका अच्छा अधिकार है मुनि प्रमाण सागर जी दिगंबर जैन साधु है जिन्होंने णमोकार महामंत्र का 1 करोड़ बार जप करने का कार्यक्रम आयोजित किया था। शरीर को स्वस्थ मन को शीतल ओर आत्मा कों शुद्ध बनाने के लिए विचार वस्तु बन जाता है। प्राचीन भारतीय उक्ति को आधुनिक रूप में पुनर्परिभाषित करके भावना यज्ञ भी विकसित किया। यह बहुत ही बड़ी बात है कम समय में भगवान की साधना से मनुष्य को अपने अन्तर आत्मा में लीन कर लेना बहुत बड़ी साधना है। गुणायतन सोपानों को प्रौढ़ चिंतन परिकल्पना को जीवन्त प्रमाण है। सम्मेद शिखरजी की तलहटी में में निर्माणाधीन ज्ञान मंदिर बन रहा है। मधुवन शिखर जी में श्री सेवायतन मानव कल्याण व दयोदय महासंघ गौ संरक्षण कार्य कर रहा है। ऐसे पूज्यनीय व जिनवाणी की साधना में लीन अपने गुरु के बताए मार्ग पर चलकर मां अहिल्या की पुण्य भुमि पर इन्दौर में आप का चातुर्मास इन्दौर के मोहता भवन बास्केटबॉल स्टेडियम के पास जंजीर वाला चौराहे पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। आप अभी इन्दौर में ही विराजमान हैं।। जिस प्रकार से सूर्य की किरणों से जगत का अंधकार मिट जाता है सिध्दांतों में छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को अपनी सरल भाषा हिंदी में सभी का मार्गदर्शन कर रहे ऐसे परम प्रभावक पुज्य संत का इन्दौर में चातुर्मास सम्पन्न हुआ जो सदियों तक जाना जाता रहेगा। वहीं अभी अष्टानिका महापर्व पर 108 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं रथावर्तन महोत्सव शुरू हो गया यह कार्यक्रम भी जैन धर्म के इतिहास में सबसे भव्य आयोजन मुनि श्री के ससंघ नेतृत्व में धर्म के ज्ञान की गुरु जी के नाम की ज्योत प्रज्वलित हो रही है । हम सभी का अंधकार मिटता जा रहा है। ऐसे साधक परम पूज्य संत भावना योग के प्रखर प्रभावक मुनि प्रमाणसागर महाराज जी के चरणों में नमोस्तु गुरु देव बारम्बार नमोस्तु।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023